Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

दैनिक

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 2 अंक: 182 , 07 दिसम्बर, गुरुवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक मो. 9879141480

4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

तीन दिन में हो जाएगा मैक्स हॉस्पिटल का फैसला : सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली। दिल्ली के शालीमार बाग स्थित मैक्स हॉस्पिटल की ओर से एक जीवित बच्चे को मृत बताने के मामले में दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मामले पर जल्द एक्शन लेने की बात कही है। सत्येंद्र जैन ने कहा कि हॉस्पिटल के खिलाफ अंतरिम रिपोर्ट में हॉस्पिटल की गलती पाई गई है हालांकि अभी फ ाइनल रिपोर्ट नहीं आई है। सत्येंद्र जैन ने भरोसा दिलाया है कि तीन दिन बाद कानून के मुताबिक हॉस्पिटल के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। इसके अलावा सरकार हॉस्पिटल के और केस पर भी नजर रख रही है। इससे पहले सत्येंद्र जैन ने कहा था कि अगर जांच में हॉस्पिटल की गलती पाई गई तो हॉस्पिटल का लाइसेंस भी रद्द किया जा सकता है। बता दें कि हॉस्पिटल ने जिस जीवित बच्चे को मृत बताया था उस बच्चे ने भी दम तोड़ दिया है। उसने इलाज के दौरान मंगलवार शाम दम तोड़ दिया। यह जानकारी बुधवार को पुलिस ने दी। सूचना बच्चे की मां को भी दी जा चुकी है। सूचना मिलते ही मां ने गुस्से में हॉस्पिटल से बाहर जाने की इच्छा जाहिर की।

मैक्स हॉस्पिटल मामला: हॉस्पिटल अथॉरिटीज ने दोनों आरोपी डॉक्टरों को नौकरी से निकाला बता दें कि 30 नवंबर की सुबह मैक्स अस्पताल में वर्षा नाम की एक महिला ने जुड़वां बच्चों (एक लड़का और एक लड़की) को जन्म दिया था। बच्ची मृत ही पैदा हुई थी। पुलिस ने बताया कि वर्षा को पश्चिम विहार के एक नर्सिंग होम से अस्पताल ले जाया गया था। अस्पताल ने बच्चे के माता-पिता को पहले बताया कि दोनों बच्चे मृत पैदा हुए हैं और उन्हें दोनों बच्चे एक पॉलिथिन बैग में सौंप दिए गए। बच्चे के पिता ने पत्रकारों को बताया कि हम बच्चे को तुरंत पीतमपुरा के एक नर्सिंग होम ले गए, जहां वह जीवन रक्षक प्रणाली पर है।

सीबीआई जांच हो

नई दिल्ली। विधानसभा में नेता विपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने उप-राज्यपाल अनिल बैजल से मिलकर प्राइमरी अध्यापकों की भर्ती परीक्षा में पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग करते हुए परीक्षा को तत्काल रद्द करने की मांग की है। उन्होंने अपने विधायकों के साथ एलजी को ज्ञापन भी सौंपा। इसमें दिल्ली सरकार पर इस मामले को दवाने का आरोप लगाया गया है।

बाबा साहेब को मोर्चा ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भाजपा के अनुसूचित जाति मोर्चा के नेताओं ने मंगलवार को डॉ अंबेडकर के 62 वें महापरिनिर्माण दिवस पर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की। एक श्रद्धांजलि सभा में मोर्चा के अध्यक्ष मोहन लाल गिहारा ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सर्वसमाज के नेता के रूप में स्थापित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बाबा साहेब के जीवन से जुड़े सभी स्थलों को पंचतीर्थ घोषित किया और अब 192 करोड़ रपए की लागत से अंबेडकर अन्तरराष्ट्रीय केंद्र स्थापित करना ही बाबा साहेब को सच्ची श्रद्धांजलि है। श्रद्धांजलि सभा में मोर्चा के मंत्री संजय निर्वाहन, पार्षद विनोद करोतिया, महामंत्री लाजपत राय, राहुल गौतम समेत मोर्चा के अन्य नेता भी भौजूद थे।

नए कर लगाने का विरोध करेगी कांग्रेस : मुकेश

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली नगर निगम में कांग्रेस के नेता मुकेश गोयल ने राजधानीवासियों पर नये कर लगाने का विरोध किया है। उन्होंने जारी बयान में कहा कि एक तरफ निगमायुक्त ने नये कर लगाने का प्रस्ताव रखा है और दूसरी तरफ प्रॉपर्टी टैक्स में मिलने वाली छूट को भी कम कर दिया है। दिल्लीवासियों पर करों की इस दोहरी मार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा की कथनी एवं करनी में अन्तर है। वह जो कहती है, वह करती नहीं है। यह बात मंगलवार को पेश हुए बजट प्रस्ताव से साफ हो गयी है। उन्होंने कहा कि भाजपा दिल्लीवासियों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराने में असफल रही है। वह निगमायुक्त के बजट प्रस्ताव में शामिल नये कर लगाने का विरोध करेंगे। वह सत्तारूढ़ भाजपा से इन करों को वापस लेने की मांग करते हैं। निगमायुक्त के बजट को आप ने बताया जनविरोधी : आप नेता राकेश कुमार ने उत्तरी दिल्ली नगर निगम के संशोधित एवं वित्त वर्ष 2018-19 के अनुमानित बजट प्रस्ताव को जनविरोधी करार दिया है। उन्होंने कहा कि जो नये कर लगाये गये हैं, वह जनविरोधी है और इससे दिल्ली की आम जनता की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

मछली बनाने से इनकार करने पर पत्नी को मौत के घाट उतारा, गिरफ्तार

गोरखपुर। पिता के लिए मछली बनाने से इनकार करने पर नाराज हो पत्नी की हत्या करने वाले पति को बस्ती पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। नगर बाजार थानान्तर्गत पोखरनी की उर्मिला (30) का शव दो दिसम्बर को घर में लटकता मिला था।

पति परशुराम को पुलिस ने को बताया था कि उसने आत्महत्या कर ली। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उर्मिला की मौत गला दबाने से होना आया। एसओ नगर बाजार डीके मिश्र ने बताया कि पत्नी की हत्या के आरोप में बुधवार की सुबह पोखरनी से परशुराम को दबोच लिया गया। पुलिस पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूला और बताया कि बीमार पिता ने मछली खाने की इच्छा जताया था। उनके लिए मछली लेकर आया लेकिन उर्मिला ने बनाने से इनकार कर दिया।

एक दिन बाद भी हालात सामान्य नहीं हुआ और वह अपनी जिद पर अड़ी रही। इसी नाराजगी में उसका गला दबा दिया और मौत हो गई।

कारोबारी से 50 हजार लूटे

पूर्वी दिल्ली। मंडोली क्षेत्र में बदमाश हथियार के बल पर किराना कारोबारी से 50 हजार रु पए लूटकर फरार हो गए। कारोबारी राजेश कुमार गुप्ता की शिकायत पर पुलिस मामला दर्ज कर बदमाशों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि वह परिवार के साथ 7/221 मंडोली में रहता है और अशोकनगर में किराने की दुकान है। सोमवार को वह दुकान बंद कर अपने कर्मचारी के साथ स्कूटी से घर जा रहा था। घर के पास पहुंचते ही दो हथियारबंद बदमाशों ने कर्मचारी मनोज की कनपटी पर पिस्टल लगा दी और रुपयों से भरा थैला लूटकर फरार हो गए।

12 रुपए रोज जमा कर जोड़ ली बड़ी रकम

15 की उम्र में धूम्रपान से की तौबा,

मंदसौर। महज 15 साल की उम्र में में एक कड़ा संकल्प लिया कि 'जिदंगी भर धूम्रपान नहीं करूंगा। और इसके बदले 12 रुपए रोज बचाकर जीवन की बड़ी खुशियां खरीदूंगा'। और 35 साल बाद आज यह छोटी बचत एक बड़ी रकम बनकर 4 लाख रुपए बन गई है। कोटड़ा बुजुर्ग जैसे छोटे से गांव के जगदीश विश्वकर्मा अब 50 वर्ष के हो गए है। छोटी सी बचत से पहले कच्चे घर को सपनों का आशियाना बनाया। बच्चों का घर भी बसाया और अब बचत की राशि से उनका बुढ़ापा भी संवरेगा। कोटड़ा बुजुर्ग के जगदीश विश्वकर्मा किसी मिसाल से कम नहीं। एक छोटा सा अच्छा और सही समय पर लिया गया। फैसला जिदंगी में कितना बड़ा सुखद बदलाव ला सकता है। यह उनका जीवन बताता है। 15 वर्ष की उम्र में ही पिता के साथ मकान बनाने (कारीगरी) का कार्य करने लगे। इसी उम्र के दोस्तों को गुटखा व धूम्रपान पर रुपए उड़ाते देख फैसला किया कि जिदंगी भर न तो धूम्रपान करुंगा और न ही गुटखा खाऊगा। इसके बदले रोजाना कुछ रुपए बचाऊगा। छोटी सी बचत जब बड़ी होने लगी तो घर में खुशियां भी दौड़ आई। 25 सालों में घर पर ही गुल्लक में 2 लाख रुपए जोड़ लिए। इन रुपयों से कच्चे घर को तोड़कर पक्का बना लिया। बचत यहीं नहीं रुकी। 10 साल पहले जगदीश ने डाक घर में 12 रुपए रोज का खाता खुलाया था। उस खाते से वर्ष 2020 में 1.30 लाख रुपए उसे मिलेंगे। अब तक उन्हे 10-10 हजार रुपए की तीन किश्ते भी मिल चुकी है। इसी बीच छोटी-सी बचत से 2014 में अपने बेटे सोनू एवं बेटी अर्चना की भी धूमधाम से शादी की। इससे पहले बेटे को कॉलेज तक शिक्षा भी दिलाई। जगदीश विश्वकर्मा ने बताया कि आने वाली राशि से बुढ़ापे की जरुरते पूरी करुंगा।

रिश्तेदारों को बताते हैं धूम्रपान नहीं करने के फायदे

जगदीश विश्वकर्मा बताते हैं कि उन्हें शराब, बीड़ी, सिगरेट, गुटखा सहित सभी तरह के नशों से नफरत है। कभी, रिश्तेदारी में आने-जाने के दौरान कोई धूम्रपान करते हुए दिख जाता है तो वे उसे टोककर बस यही समझाने लग जाते हैं कि नशे से शरीर और धन दोनों की बर्बादी हो रही है इससे जितना दूर रहोगे उतना सुखी रहोगे। कई बार हंसी के पात्र भी बन जाते हैं पर वे परवाह नहीं करते और अच्छी सीख देते हैं।

बेटा भी पिता की राह पर

धूम्रपान और नशे से नफरत के कारण ही जगदीश विश्वकर्मा की गांव व समाज में अच्छी छवि है। मकान बनाने का कार्य करते हुए बचत से खुशियां एकत्र करने वाले पिता की इस नेक शिक्षा का असर बेटे पर भी पड़ा।

बेटा सोनू भी पिता की तरह पोस्ट ऑफिस में बचत के रुपए जमा करने लगा। वह 50 रूपए रोज बचत करता है उसके भी उद्देश्य वही है जो पिता के थे। जगदीश की पत्नी धापूबाई ने भी अलग खाता खुलवाया है जिसमें घर खर्च के बाद बचने वाले रुपए जमा कर रही है। धापूबाई के खाते में भी 10 हजार रुपए है। नशीली वस्तुओं को त्यागकर बचतकर रहा परिवार अपनी इस आदत से बहुत खुश है।

याचिका पर पुनर्विचार करे सीआईसी : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के एक आदेश को रद्द कर दिया जिसमें केंद्रीय एजेंसियों से सुरक्षा प्राप्त करने वाले सभी लोगों से जुड़ी सूचना मांगने वाला एक आरटीआई आवेदन अस्वीकार कर दिया था। न्यायमूर्ति विभु बाखरू ने यह मामला केन्द्रीय सूचना आयोग के पास विरोधी दावों पर नये सिरे से विचार करने और उचित आदेश देने के मामला दोबारा भेज दिया। अदालत ने 28 अक्टूबर, 2016 का सीआईसी का आदेश यह कहते हुए निरस्त कर दिया कि सीआईसी को इस बात की समीक्षा करनी चाहिए कि क्या मांगी गयी जानकारी सूचना के अधिकार अधिनियम के दायरे छूट प्राप्त है। इस संबंध में ऐसा लगता है कि सीआईसी ने नहीं किया था।

अदालत ने इसके साथ ही केन्द्र की इस दलील से भी असहमति व्यक्त की कि सुरक्षा प्राप्त व्यक्तियों से जुड़ी सूचना देने से उनके जीवन पर खतरा पैदा होगा। अदालत ने कहा, यह बताने से कैसे किसी की जिंदगी खतरे में पड़ती है कि किसे सुरक्षा मिली हुई है या सुरक्षा पर कितना खर्च आ रहा है। सीआईसी ने अपने आदेश में कहा था कि सूचना नहीं दी जा सकती क्योंकि यह सूचना संसद तक को नहीं दी गयी है। इसने कहा था कि आरटीआई अधिनियम के तहत वह सूचना जो संसद को नहीं दी जा सकती, वह आरटीआई आवेदक को भी नहीं दी जा सकती।

अदालत ने सीआईसी के रूख से असहमति जताते हुए कहा कि इस बात का कोई मतलब नहीं है कि संसद ने ऐसी कोई सूचना मांगी या वह सूचना संसद को नहीं दी जा सकती। अदालत ने मामला सीआईसी के पास वापस भेजते हुए आरटीआई आवेदक दीपक जुनेजा की याचिका का निपटारा कर दिया। याचिका वकील आयुष अरोड़ा के जरिये दायर की गयी थी और इसमें सीआईसी के फैसले को चुनौती दी गयी थी।

मिस कॉल से बनी थी लड़के की दोस्त

सिनेमा हॉल में युवती से गैंगरेप,

मेरठ। उत्तरप्रदेश के डीजीपी सुलखान सिंह द्वारा शुरू किए गए नारी सुरक्षा और जागरूकता सप्ताह के पहले ही दिन मेरठ के मवाना में दिन दहला देने वाली वारदात हुई।

दो युवकों ने दूसरे एक युवती के साथ मवाना के एक सिनेमा हॉल में गैंगरेप किया। किशोरी ने पुलिस को सूचना दे दी, जिसके बाद दोनों आरोपियों को मुजफ्फरनगर बस स्टैंड के पास पकड़ लिया। आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

मिस कॉल से हुई थी लड़के से दोस्ती

शोभापुर निवासी एक किशोरी की दो माह पूर्व मिस कॉल से एक युवक से परिचय हुआ। युवक ने किशोरी को अपना नाम अमर बताया और दोस्ती कर ली। वर्तमान में किशोरी हस्तिनापुर के गांव में अपनी बहन के पास रहने गई हुई थी। दो माह बातचीत करने और प्रेम प्रसंग के बाद मंगलवार को किशोरी को आरोपी ने शॉपिंग करने के बहाने से मवाना बुला लिया।

मवाना में कुछ खरीदारी के बाद किशोरी को लेकर आरोपी युवक कस्बे के सिनेमा हॉल में पहुंच गया। यहां पर पहले से ही आरोपी युवक का एक साथी फिल्म के टिकट लेकर खड़ा हुआ था। फिल्म शुरू होने से पहले ही दोनों आरोपी किशोरी को लेकर सिनेमा हॉल में अंदर घुस गए। यहां पर दोनों आरोपियों ने मिलकर किशोरी के साथ गैंगरेप किया। किशोरी ने विरोध किया तो उसके साथ हाथापाई की और धमकी दी गई। वारदात के बाद आरोपियों ने किशोरी को बाइक पर बैठाया और उसे लेकर चल दिए। मुजफ्फरनगर बस स्टैंड के पास किशोरी ने बहाने से बाइक रूकवा ली और इसके बाद पुलिस को 100 नंबर पर कॉल कर दिया। पास खड़ी यूपी 100 की गाड़ी सूचना के बाद मौके पर पहुंच गई। दोनों आरोपियों को वहीं पकड़ लिया गया।

नाम बदलकर कर रहा था बातचीत

पकड़े गए आरोपियों की पहचान अमीरूद्दीन पुत्र इस्लामुद्दीन निवासी नंगला चांद और वसीम पुत्र याकूब के रूप में हुई। अमीरूद्दीन ही पिछले दो माह से नाम बदलकर किशोरी से बातचीत कर रहा था और प्रेम जाल में फंसाया। दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों की बाइक भी पुलिस ने सीज कर दी है।

मेरठ के एसपी राजेश कुमार ने बताया, 'किशोरी के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। सिनेमा हॉल में घटना होना बताया जा रहा है। दोनों आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिए हैं। सिनेमा हॉल में हुई वारदात को लेकर पड़ताल की जा रही है। कड़ी कार्रवाई की जाएगी।'

प्रस्ताव पास होने पर 2019 तक निगम हो जाएगा आत्मनिर्भर : निगमायुक्त

बेटरमेंट एवं प्रोफेशनल टैक्स वसूलकर निगम सुधारेगा माली हालत

नई दिल्ली। नगर निगम की माली हालत सुधारने के लिए उत्तरी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त मधुप व्याप ने दिल्लीवासियों पर दो नए टैक्स लगाने का प्रस्ताव दिया है। इसके साथ ही सभी श्रेणी की कालोनियों में प्रॉपर्टी टैक्स की दरें एक समान करने का भी प्रस्ताव रखा। निगमायुक्त ने मंगलवार को स्थायी समिति की विशेष बैठक में पेश बजट प्रस्ताव में 2018-19 के प्रस्तावित बजट के साथ ही 2017-18 का पुनरीक्षित बजट प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने आगामी वित्त वर्ष 2018-19 में 8,562 करोड़ रपए के खर्च और 8,562 करोड़ रपए की आमदनी का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही वर्ष 2017-18 के प्रस्तावित बजट में कटौती करते हुए (संशोधित) उसे 5,765 करोड़ कर दिया है। जबकि नगर निगम ने 8,138 करोड़ रपए का अनुमानित बजट पास किया था। खासबात यह है कि एफजीएच श्रेणी की आवासीय कालोनियों की मौजूदा प्रॉपर्टी टैक्स की दरों में 100 फीसद से अधिक की बढ़ोतरी की गयी है।

बजट प्रस्ताव पेश करते हुए निगमायुक्त ने तर्क दिया कि निगम की माली हालत ठीक नहीं होने से देनदारियां बढ़ती जा रही हैं। ऐसे में नगर निगम के सामने खर्चे कम करने एवं आमदनी बढ़ाने के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं बचा है। उन्होंने बजट प्रस्ताव में कोशिश की है कि खर्चे नियंत्रित करने के साथ ही आमदनी को बढ़ाया जाये।

निगमायुक्त ने स्थायी समिति में पेश किया वर्ष 2018-19 का बजट प्रस्ताव

नगर निगम की आमदनी का मुख्य स्रेत प्रॉपर्टी टैक्स है। प्रॉपर्टी टैक्स को एक समान करते हुए आवासीय संपत्तियों के लिए 15 एवं गैर आवासीय संपत्तियों के लिए 20 फीसद कर दिया है। अभी तक आवासीय कालोनियों में प्रॉपर्टी टैक्स की दर कालोनी की श्रेणी के मुताबिक अलग-अलग है। इसके साथ ही दो नये टैक्स बेटरमेंट (सुधार) एवं प्रोफेशनल टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है। बेटरमेंट टैक्स से निगम को करीब 450 करोड़ एवं प्रोफेशनल टैक्स से करीब 100 करोड़ रपए की सालाना आय होगी।

प्रॉपर्टी टैक्स में बढ़ोतरी : नगमायुक्त ने प्रॉपर्टी टैक्स में भारी बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने सभी श्रेणी की आवासीय कालोनियों में प्रॉपर्टी टैक्स की दर 15 एवं गैर आवासीय संपत्तियों के प्रॉपर्टी टैक्स की दर 20 फीसद करने को कहा है। जबकि अभी तक ए श्रेणी की आवासीय कालोनी में प्रॉपर्टी टैक्स की दर 12 फीसद है और एफजीएच श्रेणी की आवासीय कालोनियों में प्रॉपर्टी टैक्स की दर सात फीसद है। इसी तरह गैर आवासीय संपत्तियों पर प्रॉपर्टी टैक्स की दर 15 है, जिसे बढ़ाकर 20 फीसद करने का प्रस्ताव दिया है।

जहां अधिक सुविधाएं, वहां अधिक कर :

निगमायुक्त ने आवासीय सेक्टरों में ''जितनी अधिक सुविधाएं वहां उतना अधिक कर' लगाने की नीति पर काम करते हुए बेटरमेंट टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है। इसकी दर प्रॉपर्टी के बेसिक असेसमेंट वैल्यू का 15 फीसद होगी। उदाहारण के तौर पर सिविल लाइंस श्रेत्र की कई आवासीय कालोनियों में नगर निगम की बेहतर सुविधाएं हैं और वहां सड़कों को रख-रखाव भी अच्छा है।

निगमायुक्त के मुताबिक इससे नगर निगम को करीब 450 करोड़ की सालाना आय होगी। यह टैक्स प्रॉपर्टी टैक्स के साथ ही वसूला जायेगा। निगमायुक्त मधुप व्यास ने कहा कि देश भर के कई नगर निगम यह टैक्स वसूल रहे हैं।

बीमा एजेंट व कंसलटेंट को भी देना होगा टैक्स :

नगर निगम के प्रोफेशनल टैक्स के दायरे में अब बीमा एजेंट, कंसलटेंट एवं छोटे-मोटे कारोबारी भी आएंगे। इसके लिए नगर निगम आयकर विभाग से संपर्क करेगा। जिससे यह पता लग सके कि किसने कितनी रिटर्न फाइल की है। ढ़ाई से 5 लाख तक की रिटर्न दाखिल करने वालों को 1,200 रपए, 5 से 10 लाख की रिटर्न भरने वालों को 2,400 रपए एवं 10 लाख रपए से अधिक की रिटर्न भरने वालों को 2,500 रपए सालाना देना होगा।

सड़कों के किनारे लगेंगे 100 लीटर की क्षमता वाले कूड़ेदान :

निगमायुक्त ने कहा कि सफाई व्यवस्था को मजबूत करने के लिए नयी मशीनें खरीदने की प्रक्रिया चल रही है। सड़कों की सफाई एवं शौचालयों की सफाई को लेकर जरूरी मशीनें खरीदने की टेंडर प्रक्रिया चल रही है। सड़कों के किनारे 100 लीटर क्षमता वाले कूड़ेदान रखे जायेंगे। 22 मोबाइल शौचालय वैन खरीदने की प्रक्रिया भी चल रही है।

स्टॉफ कालोनियों का होगा पुनर्विकास :

निगमायुक्त ने बजट प्रस्ताव में आजादपुर, मॉडल टाउन, बंगलो रोड, मिंटो रोड, सेक्टर-4 रोहिणी स्टॉफ कालोनियों समेत ईदगाह स्थित जमीन का पुनर्विकास करने की योजना है। इन स्टॉफ कालोनियों को नये सिरे से आधुनिक मॉडल में बनाया जायेगा। जिसमें जगह के व्यावसायिक इस्तेमाल का भी ध्यान रखा जाएगा। निगमायुक्त मधुप व्यास ने बड़े आत्म विास के साथ कहा कि यदि सभी प्रस्ताव मौजूदा स्थिति में ही पास हो जाते हैं, तो उत्तरी दिल्ली नगर निगम 2018-19 तक आत्मनिर्भर बन जाएगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक सवाल के जवाब में उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि ऐसा रोड मैप तैयार किया और यदि वह ठीक से लागू हो जाता है, तो नगर निगम अपने पैरों पर खड़ा हो जायेगा। उन्होंने कहा कि नगर निगम की माली हालत ठीक नहीं है। ऐसे में सभी की कोशिश होनी चाहिए कि खर्चे कम करने के साथ ही आमदनी बढ़ाने पर जोर दिया जाये। इस बजट में ऐसा ही किया गया है। निगमायुक्त ने कूड़ा प्रबंधन पर जोर देते हुए कहा कि केंद्र ने एक कमेटी बनायी थी। जिसमें दिल्ली आईआईटी के साथ ही तमाम विशेषज्ञ शामिल हैं। कमेटी की रिपोर्ट आ गयी है और अब उसे लागू करना है।

इसमें दिल्ली आईआईटी उनका पार्टनर है। उन्होंने बताया कि भलस्वा लैण्डफिल साइट पर कूड़े का दवाब कम कर दिया है और धीरे-धीरे इसे और कम करने की योजना है। खासकर बरसात के पानी के बहाव को रोकने के लिए काम किया जा रहा है। जिससे कूड़े के अंदर बरसात का पानी न घुसे। टैक्स बढ़ाने के मुद्दे पर राजनीतिक पक्ष की सहमति के सवाल पर निगमायुक्त ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही राजनीतिक पक्ष भी है, जो आम जनता से अधिक संपर्क में रहता है। इसलिए आम जन के हितों का उसे अधिक खयाल रखना पड़ता है। नये करों के सवाल पर उन्होंने कहा कि इसमें कुछ नया नहीं है और देश के कई नगर निगम इस तरह के कर वसूल रहे हैं।

दिल्ली सरकार से वित्तीय मदद के सवाल पर उन्होंने कहा कि कुछ मदों में मदद मिल रही है। तीसरे एवं चौथे वित्त आयोग की सिफारिशों को सरकार को लागू करना है।

ईमानदारी किसी कायदे कानून की
मोहताज नहीं होती -आल्बेर कामू

फरोजशाह कोटला मैदान

न्यायालय ने राममंदिर-बाबरी मस्जिद मसले पर पांच दिसम्बर से की जाने वाली तय सुनवाई को आठ फरवरी तक टाल दिया है। इस दिन वह पूरे दस्तावेज के साथ दोनों पक्षों को बुलाया है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस तिथि से रोजाना सुनवाई होगी या फिर कोई तारीख तय की जाएगी। अदालत ने अन्य महत्त्वपूर्ण मसले में अपनी व्यस्तताओं को देखते हुए अयोध्या कांड पर सुनवाई मुल्तवी की है। हालांकि इससे पूरा देश मायूस हुआ है। दरअसल, सभी चाहते हैं कि अदालत जितनी जल्दी हो, इस विवाद का निपटारा कर दे। अभी इसमें राहत की बात इतनी ही है कि अदालत ने सुनवाई से इनकार नहीं किया है। वहीं सभी पक्ष इस पर कायम हैं कि सर्वोच्च न्यायालय जो भी फैसला देगा, वह उन्हें स्वीकार होगा। ऐसे में मानना चाहिए कि वे सब अपने वचन का पालन करेंगे। न्यायालय के सामने मुख्य सवाल यही है कि क्या उस स्थान पर हिन्दू मंदिर था जिसे तोड़कर बाबरी ढांचे को खड़ा किया गया? या, वहां बाबरी मस्जिद ही थी? इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो न्यायाधीशों ने माना था कि वहां मंदिर था, जिसे तोड़कर मस्जिद बनाई गई थी। पर तीसरे न्यायाधीश ने कहा कि इस बात के पर्याप्त सबूत नहीं हैं कि मंदिर तोड़कर मस्जिद बनाई गई। हां, उन्होंने इस बात को स्वीकार किया कि मस्जिद के नीचे हिन्दू स्थापत्य शिल्प के अवशेष मिले हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने विवादास्पद भूमि को रामलला विराजमान, निर्मोही अखाड़ा और सुन्नी सेंट्रल वक्फबोर्ड में बराबर-बराबर बांट दिया था। लेकिन यह फैसला किसी को मंजूर नहीं हुआ था। दरअसल, दोनों पक्ष सम्पूर्ण जमीन पर अपना हक चाहते हैं। हालांकि बेहतर यही होता कि इस मामले का निपटारा हिन्दू और मुसलमानों के बीच आपसी बातचीत से हो जाता। लेकिन ऐसा नहीं हुआ और इससे संबंधित जो प्रयास हुए उनका कोई परिणाम निकला ही नहीं। जब दोनों में से कोई पक्ष अपने रुख में नरमी लाने को तैयार नहीं है तो बातचीत से इसके समाधान का सवाल ही कहां पैदा होता है! देश चाहता है कि इस मामले का न्यायोचित निपटारा जल्दी हो जाए। इस लिहाजन, सभी को सर्वोच्च न्यायालय का प्रतिदिन सुनवाई करने का फैसला स्वागतयोग्य लगा है। इससे यह भी लगता है कि न्यायालय मामले का जल्द से जल्द निपटारा चाहता है। ऐसे में न्यायालय के अंतिम फैसले की प्रतीक्षा करनी चाहिए और जो फैसला आए उसे स्वीकार कर इस विवाद का स्थायी रूप से अंत कर दिया जाए।

औपचारिकता

काग्रेस अध्यक्ष पद के लिए राहुल गांधी के नामांकन दाखिल करने के साथही एक बार फिर भारतीय राजनीति में वंशवाद का मुद्दा राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आ गया है। इसमें दो राय नहीं हो सकती कि किसी भी राजनीतिक दल या संगठन के शक्ति के ढांचे में एक परिवार मुख्य बन जाता है, तो उस दल में एक तरह की तानाशाही स्थापित होने का भय रहता है। इसके कारण उस दल में आंतरिक लोकतंत्र एक सिरे से नदारद हो जाता है। आम तौर पर यह देखा गया है कि वंशवाद का फैलाव केवल उस संगठन में या उस राजनीतिक तंत्रमें नहीं होता जहां वैचारिक आधार बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। साम्यवादी चीन, लोकतांत्रिक अमेरिका और इंग्लैंड इसके उदाहरण हैं। जाहिर है कि इन देशों में विचारधारा प्रमुख है, और व्यक्ति गौण है। जहां लोकतंत्रमजबूत है, और विचारधारा प्रमुख है, वहां जो व्यक्ति उस विचार को मजबूत बनाने में, विचार के आधार पर संगठन को मजबूत बनाने में और अपने वैचारिक पक्ष को जनता के समक्ष रखने में जितना ज्यादा सफल और सक्षम होता है, वही व्यक्ति उस संगठन के कार्यकारी पदों पर आसीन होता है। इसलिए वहां वंशवाद का फैलाव संभव ही नहीं है। अमेरिका में ओबामा वंशवाद की देन नही थे, और उनके हटने के बाद उनकी पत्नी और बच्चे राजनीति में नहीं आए। लेकिन यह भारत का दुर्भाग्य है कि यहां कोईभी राजनीतिक विचारधारा मजबूती से स्थापित ही नहीं हो सकी है।

यही कारण है कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक कुछअपवादों को छोड़कर राजनीति में वंशवाद पूर्णत: फलता नजर आ रहा है। सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही नहीं समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, इनेलो, द्रमुक और यहां तक कि वंशवाद की सबसे बड़ी आलोचक भाजपा भी इससे अछूती नहीं है। इसलिए प्राय: सभी दलों के प्रमुख नेता अपने पुत्र और पुत्रियों को राजनीति में लाने का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इसलिए वंशवाद की चाहे जितनी भी आलोचना कर ली जाए लेकिन राजनीति में इससे मुक्त होने की कोईराह दिखाई नहीं देती। अगर ऐसा ही चलता रहा तो भारतीय राजनीति सौ-दो सौ परिवारों तक सीमित होकर रह जाएगी। और यह बात लोकतंत्रके लिए सबसे घातक होगी। भारतीय लोकतंत्रको वंशवाद से बचाने के लिए सभी दलों को आगे आना होगा।

सत्संग

जागरूकता

चेतना या जागरूकता, आपकी कोशिशों के बल पर कभी नहीं आ सकती क्योंकि यह आपकी कोशिशों के अधिकार क्षेत्र में है ही नहीं। लेकिन आप कोशिश करके एक ऐसे हालात जरूर बना सकते हैं, जिसमें आपकी जागरूकता खिल उठे। यह ठीक ऐसे है जैसे आप अपने बगीचे में किसी पौधे को जबर्दस्ती न तो उगा सकते हैं और न ही उसमें फूल खिला सकते हैं, लेकिन आप एक ऐसी स्थिति जरूर पैदा कर सकते हैं कि पौधे में फूल खिल सकें। इस तरह से देखें तो कोशिशों की जरूरत है, लेकिन कोशिश करके कभी कोई जागरूक नहीं हुआ। यह मुमकिन ही नहीं है। अगर आप अपने भीतर एक खास किस्म की ऊर्जा के स्तर की ओर काम करें तो जागरूकता खिल उठेगी, लेकिन आप इसे नहीं खिला सकते। आप जागरूकता नहीं ला सकते, अगर आपने जरूरी वातावरण तैयार कर दिया तो यह घटित होगी। लेकिन मानसिक सतर्कता आप ला सकते हैं। देखिए, आप उन्हीं कामों को करने में सक्षम होते हैं, जिन्हें आप अपने भौतिक शरीर से कर सकते हैं, मन से कर सकते हैं। जाहिर तौर पर मानसिक सतर्कता मन का ही एक कार्य है, जो आप कर सकते हैं। आपकी गतिविधियां अभी आपके शरीर, मन और भावनाओं तक ही सीमित हैं। अब आपने इन यौगिक तरीकों को सीख लिया है। इसकी मदद से आपकी गतिविधियों का साम्राज्य ऊर्जा या प्राण के स्तर तक पहुंच सकता है। गतिविधियों के यही चार स्तर हैं, जो आप जानते हैं। इसके परे कोई गतिविधि नहीं है, लेकिन जागरूकता का संबंध इनमें से किसी के साथ भी नहीं है। यह शरीर, मन, भावना या प्राण किसी से भी जुड़ा नहीं है। यही वजह है कि आप इसे नहीं कर सकते। तो आप उलझन में हैं। उलझन अच्छी बात है। आपको यह पसंद नहीं, क्योंकि आपको इसकी कीमत का अंदाजा नहीं है। आप निष्कर्ष की आरामदायक स्थिति में रहना पसंद करते हैं। निष्कर्ष का मतलब मौत है, उलझन का मतलब है कि अभी भी संभावना है। उलझन का मतलब है कि आप ढूंढ़ रहे हैं। आप जितने ज्यादा उलझन में होंगे, आप उतना ही ज्यादा ढूंढ़ेंगे। लेकिन दुनिया में ज्यादातर मन को उलझन पसंद नहीं आती, क्योंकि वे इसे संभाल नहीं पाते। उन्हें पता ही नहीं कि इसे संभाला कैसे जाए। चूंकि वे उलझन को संभाल पाने में सक्षम नहीं होते, इसलिए जल्दी से जल्दी किसी नतीजे पर पहुंच जाना चाहते हैं।

''भव्य' जीत का लक्षण

उत्तर प्रदेश में इसमें योगी की हवा भी शामिल है। याद रहे कि प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए मोदी गुजरात के चुनाव में इस कदर धुंआधार प्रचार कर रहे हैं कि लोगों ने कहना शुरू कर दिया है कि चुनाव तक के लिए केंद्र सरकार गुजरात शिफ्ट कर गई है, उसी तरह मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए योगी ने निकाय चुनाव में जबर्दस्त प्रचार किया था, और कम से कम तीस सभाएं की थीं। फिर भी, जब दावा किया जाता है कि उत्तर प्रदेश के निकाय चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक या अभूतपूर्व जीत हुई है, जब यह दावा किया जाता है कि उत्तर प्रदेश की जनता ने योगी राज के फैसलों तथा नीतियों पर जोरदार तरीके से मोहर लगा दी है, या जब दावा किया जाता है।

सतीश पेडणोकर

हावत ही है, जो जीता वही सकिंदर। उसके ऊपर से हमारी चुनावी व्यवस्था का तो आधार ही है-जो सबसे आगे आए, सब ले जाए। इसलिए अचरज नहीं है कि भाजपा उत्तर प्रदेश के निकाय चुनावों में जीत के बाद गुजरात के अपने चुनाव प्रचार में इस ''जीत' को यह बताकर भुनाने की कोशिश कर रही है कि उत्तर प्रदेश से गुजरात तक देश भर में भाजपा और वास्तव में नरेन्द्र मोदी की हवा चल रही है। हां! उत्तर प्रदेश में इसमें योगी की हवा भी शामिल है। याद रहे कि प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए मोदी गुजरात के चुनाव में इस कदर धुंआधार प्रचार कर रहे हैं कि लोगों ने कहना शुरू कर दिया है कि चुनाव तक के लिए केंद्र सरकार गुजरात शिफ्ट कर गई है, उसी तरह मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए योगी ने निकाय चुनाव में जबर्दस्त प्रचार किया था, और कम से कम तीस सभाएं की थीं। फिर भी, जब दावा किया जाता है कि उत्तर प्रदेश के निकाय चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक या अभूतपूर्व जीत हुई है, जब यह दावा किया जाता है कि उत्तर प्रदेश की जनता ने योगी राज के फैसलों तथा नीतियों पर जोरदार तरीके से मोहर लगा दी है, या जब दावा किया जाता है कि उत्तर प्रदेश की जनता ने विधानसभा चुनाव में नोटबंदी का अनुमोदन करने के बाद अब जीएसटी का भी अनुमोदन कर दिया है, तो इस पर जरा नजदीक से नजर डालना जरूरी हो जाता है कि इस चुनाव में भाजपा की वास्तव में किस तरह जीत हुई है? क्या उसकी असंदिग्ध रूप से जीत हुई भी है?राज्य के कुल 16 नगर निगमों में से दो, अलीगढ़ तथा मेरठ को छोड़कर बाकी सभी में नगर प्रमुख के पद पर भाजपा उम्मीदवार जीते हैं। लेकिन यह नतीजे का एक पक्ष है। इसका दूसरा पक्ष है कि 2012 में नगर निगमों के चुनाव में भी भाजपा ने दो को छोड़कर सभी नगर निगमों पर कब्जा किया था। बेशक, इस बार नगर निगमों की संख्या बढ़ाकर 16 कर दी गई थी। लेकिन नगर निगमों की संख्या में यह बढ़ोतरी योगी राज में ही की गई थी, और अचरज की बात नहीं कि अयोध्या-फैजाबाद नगर निगम समेत चारों नये नगर निगमों में जनता ने भाजपा को जिताकर अपने शहरी निकाय का दर्जा ऊपर उठाने के लिए योगी के प्रति कृतज्ञता जताई है। इसके साथ ही नगर निगम चुनाव के ही एक और हिस्से पर नजर डाल लें। यह हिस्सा है नगर निगमों के ही पार्षदों के चुनाव का। बेशक, इस पहलू से भी भाजपा 564 सीटों लेकर निकटतम प्रतिद्वंद्वी सपा की 201 सीटों से काफी आगे रही लेकिन कुल 1300 सीटों में से यह संख्या 45 फीसद भी नहीं बैठती है। इसे कम से कम प्रधानमंत्री की तरह ''भव्य' जीत का लक्षण तो नहीं ही कहा जाएगा।इसके अलावा, नगर निगम के चुनाव में जो हुआ, वह तो उत्तर प्रदेश के हाल के निकाय चुनाव की आधी कहानी है। चुनाव की शेष आधी कहानी, जो जाहिर है कि सत्ताधारी भाजपा के लिए उतनी मनचीती नहीं है, राज्य के छोटे शहरों की नगर पालिकाओं और अर्ध-ग्रामीण कस्बों की नगर पंचायतों में लिखी गई है। भाजपा की शानदार जीत के दावों में इसे प्राय: अनदेखा ही कर दिया गया है कि इन दोनों ही प्रकार के निकायों में, जो ग्रामीण जनता से कहीं ज्यादा नजदीक पड़ते हैं, भाजपा बहुत मुश्किल से ही खींच-खींचकर किसी जीत का दावा कर सकती है। नपा परिषद की कुल 198 सीटों में से कुल 67 यानि एक-तिहाई से जरा ही ज्यादा परिषदों में जीत पर ही भाजपा को संतोष करना पड़ा है। हां! वह चाहे तो इस अर्थ में जीत का दावा जरूर कर सकती है, अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वी समाजवादी पार्टी के 45 के आंकड़े से वह ठीक-ठाक आगे रही है। इसके अलावा भाजपा इस आधार पर भी कम से कम सीमित प्रगति का दावा तो कर रही सकती है कि 2012 के चुनाव में उसके हिस्से में 42 ही नगर पालिका परिषद अध्यक्ष पद आए थे। इस चुनाव में कुछ-कुछ ऐसी ही कहानी कस्बों की नगर पंचायतों की भी रही है। कुल 438 नगर पंचायतों में से 100 में या चौथाई से भी कम में जीत के साथ भाजपा राजनीतिक पार्टियों में जरूर सबसे आगे रही है, लेकिन वास्तव में 182 नगर पंचायतों पर कब्जा कर निर्दलीयों ने भाजपा समेत सभी राजनीतिक पार्टियों को पछाड़ दिया है। राजनीतिक पार्टियों में भी सपा अपनी 85 नगर पंचायतों के साथ भाजपा से ज्यादा पीछे नहीं है। हां! इस मामले में भाजपा संतोष जरूर कर सकती है कि नगर पंचायतों के मामले में 2012 के चुनाव के मुकाबले उसकी प्रगति, नगर पालिका परिषदों से भी प्रभावशाली रही है और उसने 36 से बढ़ाकर अपनी संख्या 100 कर ली है।इसके अलावा, उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव की ही कहानी का एक और महत्त्वपूर्ण पहलू भी है। मोटे अनुमान के अनुसार चुनाव में कुल 4 करोड़ लोगों ने मतदान किया था। इनमें से करीब 2.65 करोड़ ने नगर पंचायतों, 1 करोड़ ने नगर पालिकाओं और 35 लाख ने नगर निगमों में वोट डाला था। इसमें से भाजपा के हिस्से में नगर निगमों में ही करीब आधा वोट आया है, जबकि नगर पालिका परिषदों में उसके हिस्से में 35.5 फीसद और नगर पंचायतों में 22 फीसद वोट ही आया। वास्तव में नगर पंचायतों में निर्दलीयों के हिस्से में भाजपा से दोगुने से थोड़ा ही कम, कुल 41.5 फीसद वोट आया है। एक आकलन के अनुसार, इस सबको जोड़कर भाजपा को इस चुनाव में पड़े कुल करीब 4 करोड़ वोट में से 30 फीसद से ज्यादा वोट नहीं मिले हैं। यह निकटतम प्रतिद्वंद्वी सपा समेत दूसरी राजनीतिक पार्टियों से बेशक, ठीकठाक ज्यादा हो लेकिन 2014 के आम चुनाव और 2017 में ही हुए विधानसभाई चुनाव के 42 फीसद के मुकाबले, भाजपा के वोट में उल्लेखनीय गिरावट को दिखाता है। विधानसभा चुनाव के बाद गुजरे आठ ही महीनों में मत फीसद में यह भारी गिरावट न तो योगी राज का अनुमोदन दिखाती है, और न जीएसटी के लिए यूपी की जनता का समर्थन। उल्टे मौजूदा निजाम से जनता के बढ़ते मोहभंग को ही दिखाती है।और यह तब है जब हम मानकर चल रहे हैं कि मतदान मशीन के प्रयोग में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है वरना सत्ताधारी पार्टी की ईवीएम से चुनाव में 46 फीसद सीटों पर जीत और बैलट पेपर से चुनाव में सिर्फ 16 फीसद जीत से, संदेह तो पैदा होते ही हैं।

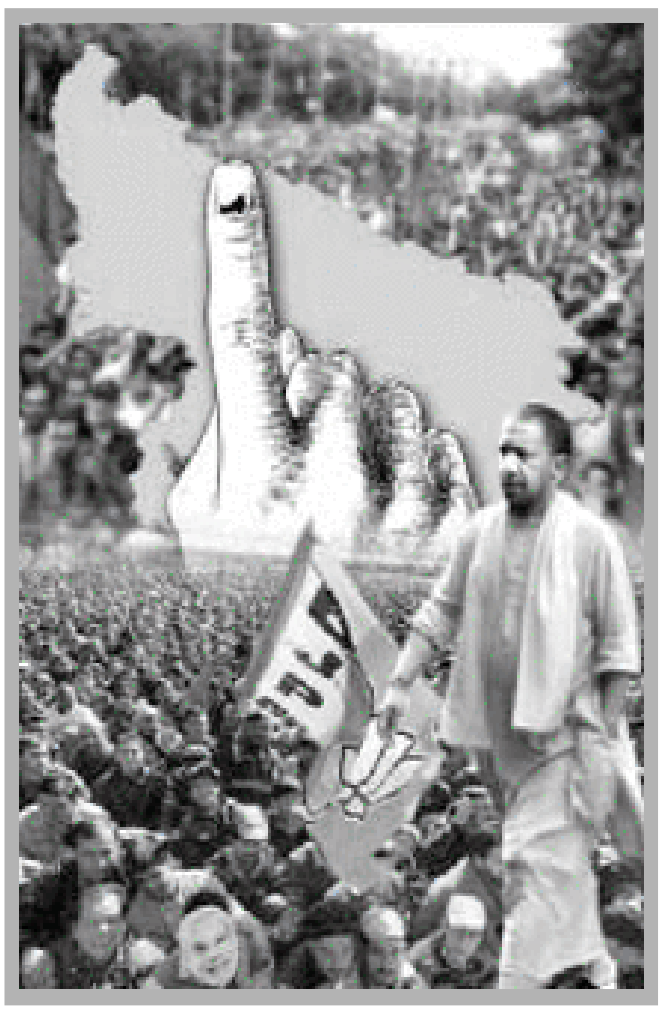

चलते चलते

''मदारीपुर जंक्शन'

युवा लेखक बालेंदु द्विवेदी के पहले उपन्यास ``मदारीपुर जंक्शन' का लोकार्पण सम्पन्न करके चार यार व्योम-सवारी से चले। एक प्रकाशक, एक समीक्षक, एक चित्रकार और एक लेखक। प्रकाशक अरु ण माहेश्वरी महज प्रकाशक नहीं हैं, यायावरी-वृत्ति के परम ज्ञानी पुरु ष हैं। चित्रकार इरफान सिर्फ कवर डिज़ायनर ही नहीं, लेखक-संपादक भी हैं। डॉ. ओम निश्चल मात्र समीक्षक ही नहीं, कवि और सुमधुर गीतकार भी हैं। बस एक लेखक ही कुंदमति था।-लेखक कौन ओ? -मैं! तुम्हारा चम्पू! और कौन होता? चारों व्योम-दरवेश तरह-तरह की विडम्बनाओं से दरपेश थे।

चम्पू! कल्ल तेरी सवारी कहां ते आई? -लखनऊ से चचा! युवा लेखक बालेंदु द्विवेदी के पहले उपन्यास ''मदारीपुर जंक्शन' का लोकार्पण सम्पन्न करके चार यार व्योम-सवारी से चले। एक प्रकाशक, एक समीक्षक, एक चित्रकार और एक लेखक। प्रकाशक अरु ण माहेश्वरी महज प्रकाशक नहीं हैं, यायावरी-वृत्ति के परम ज्ञानी पुरुष हैं। चित्रकार इरफान सिर्फकवर डिजायनर ही नहीं, लेखक-संपादक भी हैं। डॉ. ओम निश्चल मात्र समीक्षक ही नहीं, कवि और सुमधुर गीतकार भी हैं। बस एक लेखक ही कुंदमति था।-लेखक कौन ओ? -मैं! तुम्हारा चम्पू! और कौन होता? चारों व्योम-दरवेश तरह-तरह की विडम्बनाओं से दरपेश थे। एक के पास सामान नहीं था, एक के पास जरूरत से ज्यादा था। एक अपना और दूसरों का सामान ढो रहा था। एक के दो नाम होने के कारण उसकी दो टिकिट हो गई, इसलिए काउंटर-दर-काउंटर व्याकुल था। दोनों चैक-इन हो चुके थे। व्योम-बालाएं परेशान कि ओम निश्चल नहीं आया, ओम प्रकाश शर्मा आ गया और ओम प्रकाश शर्मा ओम निश्चल की सीट पर बैठ गया। बाद में शायद उनकी समझ में आ गया होगा कि ये साहित्यकार लोग दो-दो, तीन-तीन नाम रख लेते हैं।

छद्म नामों से लिखाते भी हैं। महावीर प्रसाद द्विवेदी ''कवि किंकर' नाम से लिखा करते थे। -फिर चार दरवेसन कौ का भयौ?-फिर लौटने के बाद, रात सपने में मैखाना हुआ आबाद। पहले पैग के बाद गरीबी का गौरवीकरण हुआ। दूसरे के बाद करीबी का कौरवीकरण हुआ। पहले पैग ने पहले को ऐश में ला दिया, लेकिन तीसरे पैग ने तीसरे को तैश में ला दिया। चौथे पैग के बाद महाभारत हुआ लड़खड़ाते विचारों के बीच, पांचवें ने तैयार करी गुत्थमगुत्था की। कोई अज्ञेय कोई केदार कोई शमशेर हो गया, जिसने छठा पैग लिया वो वहीं ढेर हो गया। अब देख लीजिए! मैं तो आपके सामने साबुत बैठा हूं न!

मुद्दा

''नया भारत'

अयोध्या को छूकर बहने वाली सरयू में छह दिसम्बर, 1992 की त्रासदी के बाद भी ढेर सारा पानी बह चुका है। फिर भी यह सच बदलने को नहीं आ रहा कि उस दिन बाबरी मस्जिद का ढहाया जाना एक इब्तिदा भर थी, और उसके साथ चल निकला प्रगतिशील सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और संवैधानिक मूल्यों के ध्वंस का सिलसिला अभी तक जारी है। हां, इधर ''नया भारत' बनाने के अभियानों के बीच यह इतना ''शातिर' कहें, ''शांत और चुपचाप' या कि ''बेआवाज' हो चला है कि कई कानों को उसकी खबर ही नहीं होती वैसे ही, जैसे उन्मत्त कारसेवकों द्वारा ''विवादित' बाबरी मस्जिद के साथ अयोध्या की 24 अविवादित मस्जिदों पर बोले गए धावों की नहीं हुई थी, और जब किशोरों, बूढ़ों और महिलाओं समेत कोई डेढ़ दर्जन ''बाबर की औलादों' की क्रूर हत्याओं की ही खबर नहीं हुई तो उनके 458 घरों व दुकानों में तोड़फोड़ और आगजनी की कैसे होती? पच्चीस साल बाद भी यह त्रास जस का तस है कि भले ही बाबरी मस्जिद के गुनहगारों पर मुकदमे चल रहे हैं, उक्त डेढ़ दर्जन निदरेषों के हत्यारों की खोज का एक भी उपक्रम संभव नहीं हुआ। दिखावे के लिए भी नहीं। बाबरी मस्जिद के स्वामित्व संबंधी विवाद में सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आना बाकी है, लेकिन ध्वंसधर्मियों ने फैसला पहले ही कर रखा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत नये दर्प के साथ कह रहे हैं कि अयोध्या में सिर्फ मन्दिर बनेगा, सो भी ''वहीं' तो समझा जा सकता है कि केंद्र में नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकारें बनने के बाद से अब तक का आखिरी ध्वंस संघ परिवारियों की तथाकथित शर्म का हुआ है। समझने चलें तो याद आता है कि विवाद में एक समय मुख्य बिंदु यह बन गया कि क्या मस्जिद किसी मंदिर को तोड़कर बनाई गई थी, तो राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 143 के अनुसार सुप्रीम कोर्ट से बाबत राय देने को कहा था। उस कोर्ट से जो बाबरी मस्जिद के ध्वंस को ''राष्ट्रीय शर्म' की संज्ञा दे चुका था। लेकिन 1994 में उसने यह कहकर कोई राय देने से इनकार कर दिया कि अयोध्या एक तूफान है, जो गुजर जाएगा लेकिन उसके लिए सुप्रीम कोर्ट की गरिमा और सम्मान से समझौता नहीं किया जा सकता। अयोध्या के इस तूफान के सामने सुप्रीम कोर्ट ने जैसी दृढ़ता दिखाई, वैसी न दूसरी अदालतों ने दिखाई और न खुद को धर्मनिरपेक्ष कहने वाली शक्तियों और सरकारों ने। आखिर, ये शक्तियां कब समझेंगी कि 1986 में फैजाबाद की जिला अदालत के आदेश पर विवादित ढांचे के ताले खोले जाने, 1989 में विहिप द्वारा ''वहीं' मन्दिर का शिलान्यास किए जाने, मंडल आयोग की सिफारिशें लागू होने के बाद 1990 में उग्र कारसेवा आंदोलन और 1992 में बाबरी मस्जिद के ध्वंस तक इन पहलुओं की एक लंबी श्रृंखला है। एक तरफ कांग्रेस द्वारा भाजपा से उसका हिन्दू कार्ड छीनने की कोशिशें करने और विफल होने की कहानी कहती है, तो दूसरी ओर भूमंडलीकरण की बाजारोन्मुख आंधी के अनर्थों तक की कहानी भी है। कारसेवकों में से अधिकांश ऊंची जातियों और खाये पीये अघाये वर्ग के थे, और मंडल आयोग की सिफारिशें लागू किए जाने से नाराज थे। पूंजी का प्रवाह बढ़ने से अयोध्या में नये निर्माणों की झड़ी-सी लग गई। पहले जो संत-महंत एक दो रु पयों के लिए रिक्शे वालों से किच-किच करते दिखते थे, लग्जरी कारों में नजर आने लगे और सशस्त्र गाडरे के पहरे में निकलने लगे। अयोध्या की टूटी-फूटी बेंचों वाली चाय की दुकानें ''श्रीराम फास्टफूड आउटलेट्स' में बदलने लगीं। सिलसिला जल्दी ही रक्तरंजित इतिहास की पुस्तकों और कारसेवा के दौरान पुलिस फायरिंग के अलबमों, कैसेटों और सीडियों तक जा पहुंचा। आज देरी के कारण देश बेहद खतरनाक फासीवादी मोड़ पर आ खड़ा हुआ है, खुद को बहुलतावादी और धर्मनिरपेक्ष कहने वाली शक्तियों ने इन सारे परिप्रेक्ष्यों को उनकी समग्रता में नहीं समझा तो हमारा भावी इतिहास उन्हें क्षमा नहीं करने वाला।

बढ़ती अशांति और भ्रांति से बेचैन

साल 2017 समाप्ति पर है, लेकिन नई सदी के उपजाए सरदर्द घट नहीं रहे। पाकिस्तान में हर दो-तीन महीनों के भीतर कट्टरपंथी गुट उदारवादी लोकतांत्रिक मूल्यों को मानव बम से उड़ा रहे हैं। म्यांमार में बौद्ध बहुसंख्य जनता द्वारा रोहिंग्या मुस्लिमों को जबरन भेड़-बकरियों की तरह देश से बाहर हांक दिया गया है और वे हर पड़ोसी देश की सीमा पर बेघर बने डांय-डांय डोल रहे हैं। पहले से ही बड़ी आबादी के तले पिस रहे देशों में से मानवीय आधार पर उनको स्थायी नागरिकता कोई देश नहीं देना चाहता, मुस्लिम देश भी नहीं। म्यांमार से लेकर सीरिया तक एशिया में तनाव है। हर कहीं धार्मिक अल्पसंख्यक गुटों तथा रिफ्यूजियों की आवक को लेकर एक हिंसक गुस्सा फनफना रहा है, जिसके पीछे अपनी पहचान धुंधली होने और सीमित संसाधनों को नई भीड़ के साथ जबरन साझा करने का डर है। लिहाजा कहीं आतंकवाद निरोध के नाम पर नस्ली हिंसा तो कभी बहुसंख्य आबादी की कथित सांस्कृतिक पहचान कायम रखने के नाम पर गुंडागर्दी और दमन के अलोकतांत्रिक शासकीय तरीके खुलकर अपनाने के पैरोकार गुट चुने जा रहे हैं। क्या इसी दिन के लिए सत्रह बरस पहले दुनिया ने 2000 में पटाखे छुड़ाकर नाचते-गाते हुए इस नई सदी का अभिनंदन किया था? सबसे अधिक अस्थिरता और भगदड़ का मंजर पश्चिम एशिया में है। तानाशाहों के उजाड़े अफ्रीकी देशों और आतंकी दस्तों तथा अमेरिकी सेना के बीच गोलाबारी से तबाह हो गए देशों से रबर की डगमग नावों पर भेड़-बकरियों की तरह ठुंसकर लाखों बेघर शरणार्थी किसी तरह सर छुपाने को यूरोप का रुख कर रहे हैं।

कई तो बीच समंदर में ही डूबकर मर जाते हैं। जो किसी तरह बचकर यूरोप तट तक जा पहुंचे, वे वापस भेजने के लिए तटवर्ती सैन्य कैंपों में बंद कर दिए जाते हैं। समृद्ध और अपेक्षया टिकाऊ विशाल खनिज तेल के मालिक सऊदी अरब में भी बूढ़े शाह ने अपने कथित तौर से सुधारवादी युवा छोटे पुत्र को उत्तराधिकारी बना दिया है, जिसने मध्य एशिया के कई दूसरे तानाशाहों की तरह गद्दीनशीन होते ही लगभग सारे शाही प्रतिस्पर्द्धियों को जेल भेज दिया है।

अफसोस यह कि इस घड़ी में वहां कमाल अतातुर्क या नासिर सरीखा कोई सर्वस्वीकार्य अनुभवी नेता क्षितिज पर नहीं है। और पैसे से महरूम किए जा चुके तालिबान अथवा अलकायदा जैसे गुट अब आत्मघाती बमों के गुच्छों में दुनियाभर में ऐसे छितरा गए हैं कि उनका पूरी तरह सफाया करना नामुमकिन लगता है। उधर सूचना संप्रेषण की दुनिया, जो लोकतंत्र का चौथा पाया है, दरक रही है। पश्चिम में तो खबरों का सारा कारोबार नेट से ही हो रहा है। हमारे यहां भी स्मार्टफोन तथा लैपटॉप की बढ़ती आवक से सूचना देने, पाने के तरीकों में भी बुनियादी बदलाव आया है। यह गौरतलब है कि विश्वव्यापी नेट को चला रही अभियांत्रिकी की दुनिया में कृत्रिम बुद्धि और रोबोटिक्स की आमद बहुत तेजी से बढ़ रही है। साथ ही दुनिया के हर देश में आर्थिक असमता और मानवीय बेरोजगारी भी। विशेषज्ञों का ताजा आकलन है कि दुनिया की सारी दौलत आज एक फीसदी से कम तादाद के धनकुबेरों के पास सिमट गई है। लिहाजा अमीर, गरीब, विकसित, अविकसित हर देश जनाक्रोश की गिरफ्त में है।

मुख्य खेल समाचार

प्रदूषण में खेलना मुश्किल था: दिनेश चांदीमल

नयी दिल्ली। श्रीलंका के कप्तान दिनेश चांदीमल ने यहां कहा कि प्रदूषण में खेलना उनकी टीम के लिये मुश्किल था क्योंकि खिलाड़ी इसके अभ्यस्त नहीं है लेकिन टीम ने परेशानियों को भुला कर खेल पर ध्यान देना सही समझा। फिरोजशाह कोटला मैदान में प्रदूषण से सामना करने के लिये चांदीमल सहित टीम के अन्य खिलाड़ियों ने मैच के दूसरे दिन मास्क का सहारा लिया और कुछ खिलाड़ी बीमार भी पड़ गये। चांदीमल ने आज मैच ड्रा होने के बाद कहा, '' हमारे लिये यह मुश्किल समय था। दरअसल हम ऐसे प्रदूषण के अभ्यस्त नहीं है। इसलिए हमें पहले दो दिन काफी संघर्ष करना पड़ा। '' उन्होंने कहा, '' हमने खिलाड़ियों से कहा कि हमें प्रदूषण को भूलकर खेल जारी रखना होगा। आज का दिन अच्छा था।'' चांदीमल ने भारतीय प्रशंसकों का शुक्रिया करने के साथ विराट कोहली और टीम को दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिये शुभकामनाएं दी। अपने बचाव में बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी राजीव शुक्ला ने कहा कि प्रदूषण के कारण मैच को रद्द नहीं किया जा सकता था। शुक्ला ने कहा, '' मैन को रद्द नहीं किया जा सकता था क्योंकि प्रदूषण हर किसी की चिंता है। किसी को पता नहीं था कि मैच के दौरान हालात में इतना बदलाव आयेगा।'' दिल्ली में धुंध और प्रदूषण के कारण इसके एक अंतरराष्ट्रीय खेल स्थल होने पर प्रश्न चिह्न लगा गया। श्रीलंका के खिलाड़ियों ने प्रदूषण और धुंध के कारण सांस लेने में समस्या की शिकायत की और मैच के दूसरे दिन मास्क लगकर खेलते देखे गये। मैच के दूसरे दिन 26 मिनट का खेल प्रभावित हुआ जिस कारण कोहली ने सात विकेट पर 536 रन पर भारत की पहली पारी घोषित कर दी।

श्रीलंका के खिलाड़ियों ने एन95 मास्क लगाये दिखे जिसे प्रदूषण से निपटने में सक्षम माना जाता है। तेज गेंदबाज सुरंगा लकमल को तीन ओवर की गेंदबाजी के बाद मैदान में काफी मुश्किल हालात का समना करना पड़ा। क्षेत्ररक्षण के दौरान वह उलटी करने लगे जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।

डिसिल्वा और रोशन ने श्रीलंका को हार से बचाया

नयी दिल्ली। कूल्हे में तकलीफ के कारण रिटायर्ड हर्ट होने वाले धनंजय डिसिल्वा के शतक और पदार्पण कर रहे रोशन सिल्वा की जुझारू पारी से श्रीलंका ने तीसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन भारत को जीत से वंचित करके मैच ड्रा कराया लेकिन वह मेहमान टीम को श्रृंखला 1-0 से जीतने और आस्ट्रेलिया के लगातार नौ सीरीज जीतने के विश्व रिकार्ड के बराबरी करने से नहीं रोक पाया। इससे पहले आस्ट्रेलिया के नाम पर लगातार नौ श्रृंखला जीतने का रिकार्ड दर्ज था, जिसने यह कारनामा 2005 से 2008 के बीच किया था। भारत के विजय अभियान की शुरूआत 2015 में श्रीलंका की सरजमीं पर हुई जब कोहली की अगुआई में टीम ने तीन मैचों की ईंखला 2-1 से जीती और तब से भारत की जीत का क्रम जारी है। डिसिल्वा ने रिटायर्ड हर्ट होने से पहले 219 गेंद में 15 चौकों और एक छक्के की मदद से 119 रन की पारी खेलने के अलावा कप्तान दिनेश चांदीमल (36) के साथ पांचवें विकेट के लिए 112 रन भी जोड़े। रोशन ने इसके बाद 154 गेंद में 11 चौकों की मदद से नाबाद 74 रन की पारी खेलने के अलावा निरोशन डिकवेला (नाबाद 44) के साथ छठे विकेट के लिए 99 रन की अटूट साझेदारी करके श्रीलंका को स्कोर पांच विकेट पर 299 रन तक पहुंचाकर मैच ड्रा कराया। भारतीय कप्तान विराट कोहली जब सात अनिवार्य ओवर बचे थे तभी मैच ड्रा कराने पर राजी हो गए।

HWL फाइनल: क्वार्टर फाइनल में भारत से भिड़ेगा बेल्जियम

भुवनेश्वर। लीग चरण में एक भी मैच नहीं जीत सकी भारतीय टीम हाकी विश्व लीग फाइनल के क्वार्टर फाइनल में शानदार फार्म में चल रही बेल्जियम से खेलेगी जिसने आखिरी लीग मैच में यूरोपीय चैम्पियन नीदरलैंड को 3-0 से हराया। लीग चरण में अपने सारे मैच जीतकर पूल ए में शीर्ष रही बेल्जियम की चुनौती मौजूदा फार्म को देखते हुए भारत के लिये आसान नहीं होगी जो पूल बी में आखिरी स्थान पर रहा। मेजबान भारत ने पिछली बार टूर्नामेंट में कांस्य पदक जीता था और इस बार पदक का रंग बेहतर करने की उम्मीद थी लेकिन पहले मैच में आस्ट्रेलिया से ड्रा खेलने के बाद उसे इंग्लैंड और जर्मनी के हाथों पराजय झेलनी पड़ी। दूसरी ओर बेल्जियम ने जहां ओलंपिक चैम्पियन और दुनिया की नंबर एक टीम अर्जेंटीना को पहले ही मैच में 3द्2 से हराकर अपने इरादे जाहिर कर दिये थे, वहीं दूसरे मैच में स्पेन को 5 ङ्क 0 से पीटा। नीदरलैंड को 3-0 से हराकर उसने इसी साल एम्सटर्डम में हुई यूरो हाकी चैम्पियनशिप के फाइनल में मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया। अनुभवी रूपिंदर पाल सिंह की वापसी के बावजूद पेनल्टी कार्नर तब्दील नहीं कर पा रही भारतीय टीम के लिये चट्टान की तरह अडिग बेल्जियम के डिफेंस को भेदना कड़ी चुनौती होगी।

टेस्ट मैच ड्रॉ: टीम इंडिया ने तोड़ा 127 साल पुराना रिकॉर्ड, कर दी वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और श्रीलंका के बीच दिल्ली में खेला जा रहा टेस्ट मैच भले ही मेहमान टीम ने बचा लिया हो, लेकिन इस टेस्ट को ड्रॉ करवाने के बाद भी श्रीलंका की टीम विराट सेना को इस बड़े रिकॉर्ड को तोड़ने से नहीं रोक सकी। पांचवें दिन टीम इंडिया को जीत के लिए 7 विकेट की जरुरत थी, लेकिन श्रीलंकाई बल्लेबाज़ों की जुझारू पारियों के चलते भारतीय टीम इस मुकाबले को जीतने में नाकाम रही और टेस्ट मैच ड्रॉ ही रहा। इसके साथ ही तीन टेस्ट मैच की सीरीज़ को भारत ने 1-0 से अपने नाम कर लिया और इसी के साथ टीम इंडिया ने एक वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। भारतीय क्रिकेट टीम टेस्ट क्रिकेट इतिहास में इससे पहले कभी भी ऐसा नहीं कर सकी थी।

कोहली सेना ने की इस 'विराट रिकॉर्ड' की बराबरी

श्रीलंका को इस सीरीज़ में मात देने के साथ ही भारतीय टीम ने लगातार 9 टेस्ट सीरीज़ जीतने के ऑस्ट्रेलिया के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। दुनिया में लगातार 9 टेस्ट सीरीज़ जीतने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलियाई टीम के नाम है। ये रिकॉर्ड उन्होंने अक्टूबर 2005 से मई 2008 के बीच बनाया था और अब कोहली की विराट सेना ने श्रीलंका को पस्त कर भारतीय टीम का नाम भी संयुक्त रूप से ऑस्ट्रेलिया के साथ पहले स्थान पर दर्ज़ करवा लिया है।

टीम इंडिया ने तोड़ा इंग्लैड का ये रिकॉर्ड

तीन टेस्ट मैच की ये सीरीज़ 1-0 से जीतने के साथ ही भारतीय टीम ने इंग्लैंड के लगातार 8 टेस्ट सीरीज़ जीतने के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। इंग्लैंड ने ये लगातार 8 सीरीज़ जीतने का कीर्तिमान जुलाई 1884 से जुलाई 1890 के बीच बनाया था। यानि भारतीय टीम ने 127 साल पुराने इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

दिल्ली के स्मॉग से अब परेशान हुए फुटबॉल खिलाड़ी, मास्क पहनकर किया अभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिल्ली में प्रदूषण के चलते भारत के खिलाफ फिरोजशाह कोटला स्टेडियम में जारी तीसरे टेस्ट के दौरान श्रीलंकाई क्रिकेटर मास्क पहनकर मैदान पर उतरे थे, वहीं अब फुटबॉलरों ने भी जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में मास्क पहनकर अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया।

दिल्ली डायनामोज का बुधवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में जमशेदपुर एफसी से मुकाबला होगा, जिसमें ज्यादातर खिलाड़ियों ने मास्क पहनकर अभ्यास किया। दिल्ली डायनामोज के मुख्य कोच मिग्वेल पुर्तगाल ने कहा कि खिलाड़ियों ने मास्क जरूर पहने थे, लेकिन वे बुधवार को मैच के दौरान इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे।

पुर्तगाल ने कहा, 'यह समस्या प्रदूषण की वजह से है, लेकिन यह मेरे और खिलाड़ियों की ही नहीं है। यह दिल्ली के लोगों की भी समस्या है। हमने मास्क पहनकर अभ्यास किया और सब ठीक है। खिलाड़ी बुधवार को मैच के दौरान मास्क नहीं पहनेंगे। हमारा यह घरेलू मैच है और कोई सवाल ही नहीं कि हम यहां नहीं खेले। हम यहां खेलने आए है।' हालांकि जमशेदपुर एफसी के मुख्य कोच स्टीव कोपेल ने कहा, 'दिल्ली में इस समय फुटबॉल मैच नहीं रखने चाहिए। मैं पिछले साल केरल ब्लास्टर्स टीम के साथ लगभग इस समय में आया था तो उस दौरान भी प्रदूषण स्तर खराब था। मैं पिछले तीन साल से दिल्ली इस समय आ रहा हूं और लगभग इस तरह के हालात रहते हैं।

गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू पर लगा दो मैच का बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के नंबर एक और बेंगलुरु एफसी के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू पर पिछले सप्ताह एफसी गोवा के खिलाफ मैच में गलत व्यवहार के चलते इंडियन सुपर लीग (आइएसएल) से दो मैचों का प्रतिबंध और तीन लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। गुरप्रीत का सामना मैनुअल लानजेटो ब्रूनो के साथ हुआ था, जिसके बाद दोनों के बीच धक्का-मुक्की हुई। रेफरी ने मैच के दौरान गुरप्रीत को बर्खास्तगी का आदेश भी दिया था, जबकि पहले हाफ में एफसी गोवा को पेनाल्टी दी गई। बेंगलुरु एफसी की टीम 30 नवंबर को मडगांव के नेहरू स्टेडियम में यह मुकाबला एफसी गोवा के खिलाफ 3-4 से हार गई थी। आइएसएल ने एक बयान में कहा, 'गुरप्रीत के उस आचरण के लिए दो मैचों का प्रतिबंध और तीन लाख रुपये का जुर्माना ठोका गया है जो तत्काल प्रभाव से लागू होगा। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ (एआइएफएफ) अनुशासनात्मक समिति ने मंगलवार को रेफरी की गुरप्रीत पर दी गई रिपोर्ट के आधार पर यह फैसला सुनाया। गुरप्रीत ने एआइएफएफ अनुशासनात्मक संहिता अनुच्छेद 49 का उल्लंघन किया है। गुरप्रीत को जुर्माना दस दिनों के अंदर एआइएफएफ को जमा कराना होगा।'

श्रीलंका क्रिकेट का भाग्य बदलने के लिये बोर्ड को भंग कर सकता हूं: खेल मंत्री

कोलंबो। श्रीलंका के खेल मंत्री दयासिरी जयसेकरा ने कहा कि टीम के भाग्य को बदलने के लिये अगर जरूरत हुई तो वह श्रीलंका क्रिकेट (एससीएल) प्रशासन को भंग कर सकते है। श्रीलंकाई क्रिकेट टीम इन दिनों बदलाव के दौर से गुजर रही और मैदान पर ज्यादातर नतीजे टीम के खिलाफ रहे है जिसका दोष टीम प्रशासन के सिर मढा जा रहा।

श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के खराब प्रदर्शन की ओर इशारा करते हुये उन्होंने कहा, '' मुझे चीजें ठीक करने के लिये कुछ समय लगेगा। अगर जरूरत पड़ी तो मैं इसके लिये बोर्ड को भंग करने से भी पीछे नहीं हटूंगा।'' उन्होंने कहा कि बोर्ड में संवैधानिक सुधार करते हुये वह एससीएल के चुनावों में पड़ने वाले 140 वोटों से कम कर 75 वोटों करने की कोशिश करूंगा।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिये बोर्ड के चुने हुये नौ खिलाड़ियों को रोकने के बाद उन्होंने कहा, '' मैं चाहता हूं की बोर्ड में वोट डालने का अधिकार 140 से घट कर 75 रहे।'' क्रिकेट बोर्ड पर वर्चस्व बनाने के लिये खरीद फरोख्त का आरोप लगते रहे हैं।

महेंद्र सिंह धौनी के लिए साफ हो गया रास्ता, फिर से बन सकते हैं CSK के कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

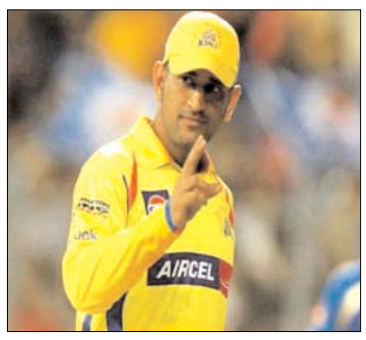

महेंद्र सिंह धौनी के फैंस के लिए एक अच्छी खबर आ गई है। अगले साल यानि की आइपीएल 2018 में धौनी चेन्नई सुपर किंग्स की कप्तानी करते हुए नज़र आ सकते है। आइपीएल की संचालन परिषद (त्रष्ट) ने धौनी के लिए चेन्नई सुपरकिंग्स में लौटने का रास्ता साफ कर दिया है। आइपीएल की संचालन परिषद ने बुधवार को कहा कि हर फ्रेंचाइजी पिछले साल की टीम में से अधिकतम पांच खिलाड़ियों को फिर से खरीद सकती हैं। महेंद्र सिंह धौनी पिछले दो सालों से आइपीएल में राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स टीम की तरफ से खेल रहे थे। साल 2017 में तो उनसे इस टीम की कमान भी ले ली गई थी। संचालन परिषद ने आइपीएल टीमों के लिए अगले चरण से वेतन बजट को 66 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 80 करोड़ रुपये कर दिया है। इससे पहले चेन्नई टीम को 2 साल के लिए निलंबित कर दिया था और अब धौनी 2 साल बाद एक बार फिर चेन्नई टीम की जर्सी पहनकर मैदान पर खेलते नजर आ सकते हैं। आइपीएल की संचालन परिषद ने महेंद्र सिंह धौनी के लिए चेन्नई सुपरकिंग्स में लौटने का रास्ता साफ किया। इसके साथ ही स्पॉट फिक्सिंग और सट्टेबाजी के आरोपों के चलते बैन की गई सीएसके और राजस्थान रॉयल्स टीमों को अनुमति दी गई है कि वे 2015 रोस्टर में शामिल खिलाड़ियों को रिटेन कर सकती हैं।

आपको बता दें कि चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स की टीम पर फिक्सिंग के चलते दो साल के लिए बैन कर दिया गया था। इसी वजह से धौनी पिछले दो साल से चेन्नई की टीम से नहीं खेल पा रहे थे, लेकिन 2018 में अब ये बैन हट जाएगा और धौनी एक बार फिर से चेन्नई की टीम की कप्तानी करते हुए नज़र आ सकते हैं। धौनी की कप्तानी में चेन्नई की टीम ने दो बार इस आइपीएल का खिताब अपने नाम किया है। छ्रस्य ने 2010 और 2011 में लगातार दो बार आइपीएल की ट्रॉफी पर कब्ज़ा जमाया था।

भारत के खिलाफ खेलने को लेकर रोमांचित है: टाम बून

भुवनेश्वर। भारत के खिलाफ हाकी विश्व लीग फाइनल के क्वार्टर फाइनल को करियर का अहम मुकाबला बताते हुए बेल्जियम के अनुभवी खिलाड़ी टाम बून ने कहा कि उनकी टीम खचाखच भरे स्टेडियम में मेजबान का सामना करने को लेकर उत्साहित है। दूसरे क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना बेल्जियम से होगा जबकि पहले क्वार्टर फाइनल में स्पेन की टक्कर आस्ट्रेलिया से होगी। वहीं सात दिसंबर को इंग्लैंड और अर्जेंटीना तीसरा क्वार्टर फाइनल खेलेंगे और जर्मनी की टक्कर नीदरलैंड से होगी।

बून ने कहा,'' भारत का मैच नहीं था लेकिन स्टेडियम भरा हुआ था तो भारत के मैच में क्या आलम होगा। हमें खुशी है कि हमें भारत से खेलने का मौका मिल रहा है। इतने शोर और दर्शकों के सामने खेलने का अनुभव हमें कम ही मिलता है क्योंकि बेल्जियम में ऐसी भीड़ फुटबाल मैचों में ही उमड़ती है।'' उन्होंने इस बात से इनकार किया कि लगातार दो दिन खेलने से टीम के प्रदर्शन पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा, ''ऐसा नहीं है। पेशेवर खिलाड़ी होने के नाते हमें इसकी आदत होनी चाहिये।''

वेस्टइंडीज़ के कप्तान जेसन होल्डर पर लगा एक मैच का बैन, फिर दोहराई थी ये गलती

वेलिंगटन (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर एक मैच के प्रतिबंध के चलते न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। होल्डर पर प्रतिबंध के साथ-साथ मैच फीस का 60 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच में धीमी गति दर को बनाए रखने के लिए होल्डर के अलावा उनकी टीम के अन्य खिलाड़ियों पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। न्यूजीलैंड यह पहला टेस्ट पारी और 67 रनों से जीता था।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) ने कहा, 'वेस्टइंडीज ने दिए गए गति दर से एक सत्र में तीन ओवर कम गेंदबाजी की और इस कारण मैच रेफरी क्रिस ब्रॉड ने होल्डर पर प्रतिबंध लगाया। आइसीसी आचार संहिता की धारा 2.5.1 और परिशिष्ट-2 के अनुसार, दिए गए समय से कम गेंदबाजी किए जाने पर खिलाड़ियों पर 10 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगाया जाता है, जबकि कप्तान पर दोगुना जुर्माना लगता है।' इससे पहले जमैका में पाकिस्तान के खिलाफ अप्रैल में खेली गई सीरीज के दौरान धीमी गति दर के लिए होल्डर को दोषी ठहराया गया था और 12 महीने के दौरान उन पर दूसरी बार यह प्रतिबंध लगा है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड 1-0 से आगे है, जबकि दूसरा टेस्ट मैच नौ से 13 दिसंबर तक सेडन पार्क में खेला जाएगा।

श्रीलंका की मेजबानी करेगा वेस्टइंडीज

वेस्टइंडीज अगले साल जून में श्रीलंका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज की मेजबानी करेगा। दोनों देशों के बीच सीरीज की शुरुआत छह जून को क्वींस पार्क ओवल में पहले टेस्ट से होगी। श्रीलंकाई टीम आइलैंडर्स के खिलाफ 30 मई से एक जून तक अभ्यास मैच खेलेगी।

पत्थर फेंकने वाली लड़की बनी फुटबॉल टीम की कप्तान, राजनाथ सिंह से की मुलाकात

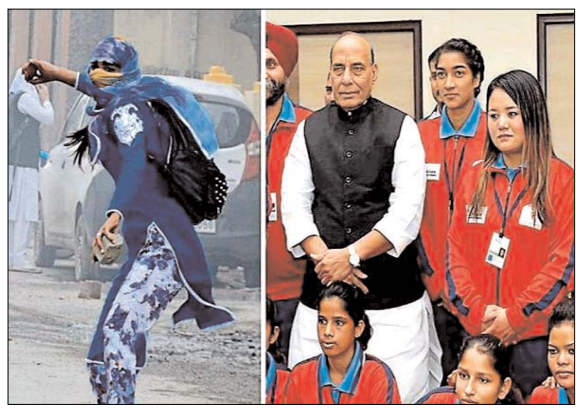

नई दिल्ली (एजेंसी)।

अफशां आशिक जहां असंतुष्ट छात्र के रूप में श्रीनगर की गलियों में पुलिस पर पत्थर फेंकने वाली लड़कियों के गुट की अगुआई करती थीं, पर पत्थर फेंकने वाले छात्रों की यह पोस्टर गर्ल अब जम्मू-कश्मीर महिला फुटबॉल टीम की कप्तान बन गई है, जो एक स्वप्निल बदलाव है और यह एक तरह से कश्मीरियों के दिलों को जीतने की सरकारी दास्तां भी बयां करता है।

इस 21 वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करके उन्हें राज्य में खिलाड़ियों के सामने आने वाली समस्याओं से अवगत कराया और मदद की गुहार लगाई और कहा कि वह वापस मुडकर नहीं देखना चाहतीं। अफशां की जिंदगी पर जल्द ही फिल्म बनायी जा सकती है, उन्होंने कहा, 'मेरी जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। मैं विजेता बनना चाहती हूं और राज्य व देश को गौरवान्वित करने के लिए कुछ करना चाहती हूं।'

बॉलीवुड के मशहूर फिल्मकार अफशां की कहानी पर फिल्म बनाने की योजना बना रहे हैं, लेकिन अपने नाम का रहस्योद्घाटन नहीं करना चाहते। वह 22 सदस्यीय फुटबॉल टीम को लेकर गृहमंत्री से मिलने पहुंचीं। आधे घंटे तक चली बैठक में गृहमंत्री से कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर में उचित खेल आधारभूत ढांचा तैयार किया जाता है तो युवा आतंकवाद और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों से इतर अपने कौशल को निखारने के लिए प्रेरित होंगे और राज्य का नाम चमकाएंगे।

अफशां अभी मुंबई के एक क्लब के लिए खेल रही है। वह मानती हैं कि उनकी जिंदगी ने तब मोड़ लिया जब उनकी फोटो पत्थर फेंकने वाली के तौर पर मीडिया में आ गई थी।

एशेज 2017: ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 120 रन से हराया

एडिलेड (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एडिलेड में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच को कंगारुओं ने 120 रन से जीत लिया है। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज़ में 2-0 की बढ़त बना ली है। ऑस्ट्रेलिया से मिले 354 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की पूरी टीम 233 रन पर ऑल आउट हो गई। दूसरी पारी में इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने सबसे ज़्यादा 67 रन बनाए तो वहीं ऑस्ट्रेलिया के लिए दूसरी पारी में मिचेल स्टार्क ने पांच इंग्लिश बल्लेबाज़ों का शिकार किया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरी पारी में 138 रन पर सिमट गई थी, जिससे पहली पारी में 215 रनों की बढ़त की बदौलत इंग्लैंड को एडिलेड मैदान पर रिकॉर्ड 354 रनों का लक्ष्य मिला। इससे पहले एडिलेड मैदान पर 1902 में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 315 रनों के लक्ष्य का सफल पीछा किया था।

दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया की टीम ने इंग्लैंड की टीम को जल्द ही शुरुआती झटके देने शुरू कर दिए, जब 53 रन के कुल स्कोर पर अनुभवी सलामी बल्लेबाज एलिस्टेयर कुक (16) स्पिनर नाथन लियोन (1/37) की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हो गए। इसके बाद अपनी पारी को जमा रहे मार्क स्टोनमैन (36) भी तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क (2/65) की गेंद पर ख्वाजा को कैच थमा बैठे। वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। हालांकि, 54 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद इंग्लैंड की टीम दबाव में थी कि इस बीच, जेम्स विंस (15) को भी स्टार्क ने पीटर हैंड्सकोंब के हाथों कैच आउट करा दिया। लेकिन डेविड मलान (29) ने कुछ देर तक जो रूट का साथ देते हुए टीम की पारी को संभाल लिया। लेकिन उन्हें भी 169 रन के स्कोर पर पैट कमिंस ने बोल्ड कर दिया। इंग्लैंड के कप्तान रूट ने इस बीच अपना अर्धशतक पूरा किया।

पांचवें दिन की शुरुआत में ही हेजलवुड इंग्लैंड पर कहर बनकर टूट पड़े। पहले उन्होंने वोक्स (05) को अपनाशिकार बनाया तो इसके बाद उन्होंने इंग्लिश कप्तान जो रुट (67) को विकेटकीपर पेन के हाथों कैच आउट करवाकर वापस पवेलियव बेज दिया। इसके बाद मोइन अली (02) को लायन ने एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। इसके बाद बाकी बचा हुआ काम मिचे स्टार्क ने कर दिया आखिर के तीन विकेट लेकर। स्टार्क ने ओवरटन (07) को एलबीडब्ल्यब आउट कर दिया। इसके बाद उन्होंने ब्रॉड (08) को पेन के हाथों विकेट के पीछे कैच आउट करवा दिया। इसके बाद स्टार्क ने बेयरस्ट्रो (36) को बोल्ड कर इंग्लैंड की हार पर मुहर लगा दी।

संत और सेनाा का समागम केवल भारत में संभव: बापू

सूरत। शहीद सैनिकों के परिजनों की सहायता के लिए आयोजित मानस रामकथा के चौथे दिन मोरारी बापू ने जटायू की शहादत की बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि, विश्व का परम सत्य मौत है, समय आने पर सबको मौत आनी है। सुग्रीव को जब किष्किंधा का राज्य प्राप्त हुआ तब वह भोग-विलास में डूब गया और राम कार्य करना भूल गया। जब राम-लक्ष्मण का चातुर्मास का समय हुआ तब लक्ष्मण भगवान के आदेश से चातुर्मास की जगह ढूंढने निकले। शिवलिंग की ज्योत देखकर उन्होंने उसी जगह पर चातुर्मास किए जाने का निर्णय लिया। भगवान राम को जब सुग्रीव याद आए तो उन्होंने केवल इतना कहा कि मेरे तरकश में अब भी काफी तीर हैं। मोरारी बापू ने कहा कि वास्तव में राम केवल युद्ध पुरुष नहीं हैं लेकिन बुद्ध पुरुष है, कृष्ण भी बुद्ध पुरुष हैं। लाओत्से ने तो यहां तक कहा था कि योद्धा तो वह है कि जब युद्ध की स्थिति का निर्माण हो तो युद्ध करे। बुद्ध पुरुष जब बोलते है तो वचन सुनने का मोह कम हो जाता है। बापू ने कहा कि राम प्रेम में दशरथ ने प्राण त्याग दिए। जटायू सीताजी को बचाने के लिए शहीद हो गए। वह सीताजी का संदेश राम को पहुंचाने तक जीवित रहे। इसके अलावा उन्होंने अपनी कथा में दान का महिमा भी बताया। रामकथा में शिव विवाह के साथ राम जन्म की कथा का भी वर्णन हुआ।

मेजर जनरल गगनदीप बक्षी ने कहा कि मारूति वीर जवान ट्रस्ट के तत्वावधान में शहीदों के लिए मोरारी बापू द्वारा रामकथा के लिए मैं मारुति वीर जवान ट्रस्ट और ननूभाई सावलिया का आभारी हूं। उन्होंने भारतीय सेना की समर्पण निष्ठा, सक्षमता और कर्तव्य निष्ठा को सराहा है। संत और सेना का समागम केवल भारत में ही संभव है। मेजर जनरल गगनदीप बक्षी ने गुरु गोविंद सिंह, शिवाजी, समर्थ रामदास और महाराणा प्रताप को भारतीय सेना के प्रतीक कहा।

मूल बेंग्लोर निवासी और राजपूताना राइफल्स में सेवारत मेजर पद्मपाणी जम्मू-कश्मीर में तैनाती के दौरान चोलो लिंक पर आतंकियों से लड़ते हुए शहीद हो गए थे। शहीद मेजर पद्मपाणी की पत्नी चारुलता को मारूति वीर जवान ट्रस्ट द्वारा 2.51 लाख रुपए का चेक, स्मृति भेंट और शाल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मेजर अक्षय कुमार और आकाश यादव के परिवार को भी सम्मानित करने के साथ आर्थिक सहायता भी दी गई। इन दोनों वीर जवानों के परिजनों को 2.51 लाख रुपए के चेक दिए गए।

शहीद सैनिकों के परिवारों के लिए सूरत ईस्ट रोटरी क्लब ने एक लाख 51 हजार का फंड इकट्?ठा किया। एकत्रित फंड को मारुति वीर जवान ट्रस्ट को सौंपा। रोटरी क्लब प्रेसिडेंट राजेश वघासियसा और सेक्रेटरी विजय मांगूकिया के साथ सदस्य संजय चोवटिया अशोक पांचानी, किरीट पटेल,विपुल पानसुरिया, रमेश सावलिया, भाविन सावलिया, भारत नसित, मिहिर सवानी सहित क्लब के 40 से अधिक रोटेरियनों का विशेष सहयोग रहा। इसके साथ क्लब के 30 सदस्यों ने नौ दिन तक शहीद परिवारों के लिए फंड एकत्र करने में हिस्सा लिया। सेक्रेटरी मांगूकिया ने बताया कि क्लब से बिजनेसमैन और डॉक्टर जैसे लोग जुड़े हैं। राम भक्तों के साथ इन लोगों ने भी फंड में काफी सहयोग दिया।

अथवा पुलिस ने जुए की कलब पर छापा मारकर 11 जुआरियों को दबोचा

सूरत। अथवा पुलिस को सूचना मिलने पर थाना क्षेत्र के नानपुरा स्थित मंगल प्रभात एपरमेन्ट के एक फ्लैट में चल रही जुए की कलब पर छापा मारकर 11 जुआरियो को गिरफ्तार कर मौके पर से नगद, मोबाइल फोन तथा तीन बाइक सहित 3 लाख 80 हजार का मुद्दामाल जब्त किया है ।

अथवा पुलिस से प्राप्त माहिती के अनुसार स्टाफ के पुलिस कर्मियों को सूचना मिली थी कि नानपुरा के मंगलप्रभात एपरमेन्ट के फ्लैट नंबर 64 में 10 से 11 जने जुआ खेल रहे है । सूचना के चलते पुलिस ने मौके पर पहुच कर जुए की कलब पर छापा मारकर जुआ खेल रहे हुशैन फैज मोहमद शेख,देवेन्द्र उफ देव नवनीतलाल खोलवदवाला,आसिफ इकबाल शेख,यासीन खान जब्बार खान पठान,जावीद मोहमद खान पठान,मोहम्मद इमरान शेख, संदीप रामेशभाई सेवरे, भरतसिंह प्रतापसिंह चावड़ा सहित 11 जुआरियो को गिरफ्तार किया है । पुलिस ने मौके पर से नगद ,मोबाइल फोन तथा बाइक सहित 3 लाख 80 हजार का मुद्दामाल जब्त किया है

हजीरा की कंपनी में चोरी करने वाली तीन महिला सहित पांच गिरफ्तार

सूरत। हजीरा इलाके की एक कंपनी के प्लाण्ट में प्रवेश कर 2 हजार की कीमत का भंगार चुराकर भाग रही तीन महिला सहित पांच जने को कंपनी के सुरक्षा कर्मियों ने पकड़ कर पुलिस को शोपा है । इच्छापोर पुलिस से प्राप्त माहिती के अनुसार हजीरा लाइन निवासी सिंगराय तुरी मुंडा 50 हजीरा की ओएनजीसी कंपनी के इन्स्पेक्टर है । 4 दिसम्बर की नाइट में सिंगराय नोकरी पर उपस्थित थे । इसी दौरान कंपनी के प्लाण्ट में तीन महिला सहित पांच जने ने प्रवेश कोय ओर 2 हजार की कीमत का लोहा चुराकर भागने लगे इसी दौरान सिक्युरिटी गार्ड ने पांचो को पकड़ कर इच्छापोर पुलिस के हवाले किया । पुलिस ने सिंगराय की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर पांचो आरोपी की पूछताछ करने पर अपना नाम शैलेष भाई नरसीभाई भाभोर,शांतीलाल हीरालाल ठाकरे , बदली बहन कालुभाई मेंडा, रमिला बहन अनिल भाई डामोर तथा सुमित्रा बहन तेरसिह पारधी बताया है ।

कामरेज सीट पर काटे की टक्कर, पाटीदारों का प्रभुत्व

कांग्रेस ने अशोक जीरावाला को उतारा मैदान में

सूरत। सबसे अधिक पाटीदार मतदाताओं वाली कामरेज विधानसभा सीट पर दोनों मुख्य दलों के पाटीदार प्रत्याशी के बीच टक्कर होगी। कांग्रेस ने पहले जो प्रत्याशी तय किए थे, उसके बाद वे बागी हो गए। इससे कांग्रेस की कलह सामने आ गई। इसका पूरा फायदा भाजपा को मिलेगा। अब भाजपा ने पूर्व कार्पोरेटर वीडी झालावाडिया और कांग्रेस ने अशोक जीरावाला को मैदान में उतारा है। 2012 के विधानसभा चुनाव में कामरेज विधानसभा की सीट पर भाजपा के प्रफुल्ल पानसेरिया ने कांग्रेस के भगीरथ पीठवडीवाला को 61 हजार 371 वोटों से हराया था। इस सीट पर दो बार के पाटीदार आंदोलन के बाद बनी गुजरात परिवर्तन पार्टी के दलसुख चोवटिया को 20 हजार 455 वोट मिले थे। किंतु इस बार पाटीदार आंदोलन के बाद कामरेज विधानसभा के समीकरण में अनेक बदलाव आए हैं। शहर के पुणा इलाके की अनेक सोसायटी कामरेज विधानसभा में आती हैं। इस इलाके में म्युनिसिपल के चुनाव में चार वार्ड से भाजपा का सफाया हो गया था। एक वार्ड में भाजपा की पैनल जीत पाई थी।

कांग्रेस ने पहले इस सीट से निलेश कुंभाणी को टिकट दिया था। उसी रात उनके खिलाफ माहौल बदल गया, रात में काफी हंगामा हुआ। कुंभाणी के

कार्यालय में पास के कार्यकर्ताओं ने तोड़फोड़ की। इससे दूसरे ही दिन कांग्रेस ने अशोक जीरावाला को टिकट दे दिया। इधर भाजपा ने प्रफुल्ल पानसेरिया के खिलाफ रोष होने के कारण उनके बजाए पूर्व कार्पोरेटर वीडी झालावाडिया को मैदान में उतार दिया। अधिकांश कार्यकर्ताओं के रोष के चलते भाजपा ने वर्तमान विधायक का टिकट काट दिया, इससे उनके समर्थकों में रोष है। यह हालात भाजपा को कितना नुकसान पहुंचाएंगे, यह तो वक्त ही बताएगा। टिकट प्राप्त करने वाले पूर्व कार्पोरेटर वीडी झालावाडिया के लिए विधानसभा चुनाव नया अनुभव है। विशाल मतदाता क्षेत्र के अलावा पाटीदार फेक्टर भी है। इसमें पाटीदार कार्यकर्ता भी भीतर ही भीतर भाजपा से नाराज हैं। प्रफुल्ल पानसेरिया को रिपीट नहीं किए जाने पर कार्यकर्ताओं का रोष कुछ कम हुआ है।

बाथरूम में नहा रही किशोरी की विडयो क्लिप उतार ने वाला युवक गिरफ्तार

सूरत। अथवालाइन्स थाना क्षेत्र की सीमा के नानपुरा स्थित माछीवाड के एक मोहल्ले के निवासी युवक ने बाथरूम में नहा रही एक किशोरी की मोबाईल में विडयो क्लिप उतार कर उसे ब्लैकमेल करने के चलते पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है

अथवा पुलिस से प्राप्त माहिती के अनुसार नानपुरा के माछीवाड स्थित बनारसी मोहल्ले के निवासी आशीष उर्फ कालियो चंदूभाई कहार २५ नौकरी कर परिवार का गुजारा करते है. ५ दिसम्बर की सुबह नानपुरा के माछीवाड एक १५ वर्षीय किशोरी अपने धर के बाथरूम में नहा रही इसी दौरान आरोपी आशीष उर्फ कालिया ने अपने मोबाईल फोन में पीड़िता की विडयो क्लिप उतार लि थी उसेके बाद से आरोपी अमित पीड़िता को ब्लेकमेल करता था हादसे के चलते पीड़िता ने आपबीती अपने परिजनों को बताई और तुरंत पीड़ित परिवार ने अथवालाइन्स पुलिस में आरोपी आशीष के खिलाफ मामला दर्ज करवाया पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी आशीष उर्फ कालिया को गिरफ्तार किया .

सिटी बस की चपेट में आने से अंदाजन का युवक धायल

सूरत। अंदाजन के गेल टावर निवासी युवक रिंगरोड स्थित बद्री टावर के पास से बाइक लेकर गुजर रहा था इसी दौरान सिटी बस के चालक ने उसे चपेट में लिया हादसे के चलते धयाल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया

सलाबतपुरा पुलिस से प्राप्त माहिती अनुसार अडाजण के जेल टावर स्थित नीलांजलि एपरमेन्ट निवासी गौतम रमेशभाई धेलानी २४ नौकरी कर परवार का गुजारा करते है.३ दिसम्बर की सुबह गौतम अपनी बाइक पर सवार होकर रिंगरोड स्थित बद्री टावर के पास से गुजर रहा था.

गुजरात में केवल चार-पांच फीसदी वोटों का खेल

इनमें सेंध लगाकर किले को भेद सकती है कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात में कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही दल चुनाव में जीत दर्ज करने के लिए जीतोड़ मेहनत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार बीजेपी के लिए रैलियां कर रहे हैं, तो कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी महीनेभर से गुजरात का दौरा कर रहे हैं। लेकिन इस बार गुजरात में जातिगत आंदोलन के उभार के बाद विधानसभा चुनावों का फोकस जातियों पर रहने वाला है। दोनों ही बड़े दलों ने इसी समीकरण को ध्यान में रख कर टिकटों का बंटवारा किया है। चुनाव में पाटीदार और अन्य पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों को दोनों दलों ने अधिकतर सीटों पर मैदान में उतारा है। राज्य में सत्ताधारी बीजेपी ने इस बार 50 पाटीदार उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है, जबकि कांग्रेस के 41 उम्मीदवार इस समुदाय से हैं। वहीं बीजेपी ने 58 ओबीसी उम्मीदवारों को टिकट दिया है, जबकि कांग्रेस से इस वर्ग के 62 प्रत्याशी मैदान में हैं। गुजरात में बीजेपी ने 14 दलितों को टिकट दिया है, तो कांग्रेस ने 13 ऐसे उम्मीदवार उतारे हैं। राजनीतिक पंडितों की माने तो जिस पार्टी को अतिरिक्त चार से पांच फीसदी मत मिलेगा, वही दल राज्य में इस राजनीतिक लड़ाई को जीतेगा। बीजेपी इस चुनाव में हारना नहीं चाहती है, जबकि कांग्रेस उन जातियों को अपनी ओर खींचने की भरसक कोशिश कर रही है, जो बीजेपी से नाराज हैं और वोट शेयर के अंतर को कम कर सकती हैं। केवल चार से पांच फीसदी वोट की अदला बदली कांग्रेस के लिये गेम चेंजर साबित होगी। राजनीतक विश्लेषक कहते हैं, अगर हम 2002, 2007 और 2012 के चुनावों में वोट की हिस्सेदारी पर नजर डालें तो हर बार कांग्रेस को तकरीबन 40 फीसदी, जबकि बीजेपी को 49 प्रतिशत वोट मिले हैं। इस बार अगर चार से पांच फीसदी वोट इधर से उधर होते हैं तो इससे कांग्रेस को बड़ा फायदा होगा। गुजरात की राजनीति के मूल में जातिगत व्यवस्था अभी भी बरकरार है।

राम मंदिर मामले में कपिल सिब्बल की दलीलें हैरान करने वाली हैं-अमित शाह

अहमदाबाद (ईएमएस)। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने राम मंदिर मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुनवाई टाले जाने पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि कपिल सिब्बल की दलीलें हैरान करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी को इस मामले में अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

शाह ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट में कांग्रेस के नेता और सुन्नी वक्फ बोर्ड की तरफ से आश्चर्यजनक दलील रखते हुए सिब्बल ने कहा कि 2019 के आम चुनावों के खत्म होने तक सुनवाई टाल देना चाहिए। जब भी कांग्रेस को ऐसे मामलों में अपना स्टैंड रखना होता है तो कपिल सिब्बल को आगे किया जाता है। कांग्रेस को अपना स्टैंड स्पष्ट करना चाहिए कि क्या वे कपिल सिब्बल की बातों से सहमत हैं या नहीं। जब सभी कागजात तैयार हैं, तो सुनवाई टालने का क्या मतलब है।'

अमित शाह ने राहुल गांधी से जवाब मांगते हुए कहा, 'एक तरफ तो कांग्रेस के आगामी अध्यक्ष राहुल गांधी गुजरात में मंदिरों का दौरा कर रहे हैं, तो वहीं कपिल सिब्बल कोर्ट में

ऐसी बातें कर रहे हैं। मैं कांग्रेस पार्टी से अपील करता हूं कि उन्हें इस मामले में अपना स्टैंड स्पष्ट करना चाहिए।'

शाह ने कहा, 'भाजपा की यह मांग है कि सुप्रीम कोर्ट जल्द से जल्द इस मामले की सुनवाई पूरी करते हुए अपना फैसला सुनाए। भाजपा अयोध्या में एक भव्य राम मंदिर के निर्माण की पक्षधर है।'

दलित नेता जिग्नेश मेवाणी पर हमला, भाजपा पर लगाया हमले का आरोप

बनासकांठा (ईएमएस) जिले के बडगाम विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी और दलित नेता जिग्नेश मेवाणी पर एक रैली के दौरान तकरवाड़ा गांव में हमला हुआ है। जिग्नेश ने अपने ऊपर हुए हमले की जानकारी ट्विटर पर दी और कहा कि भाजपा की ओर से ये हमला किया गया है। जिग्नेश ने आगे लिखा कि भाजपा डर गई है और ऐसी हरकत कर रही है। जिग्नेश ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए लिखा कि जो जीत रहा हो उस पर हमला करवाओ। यही आपका आईडिया है।

गुजरात विधानसभा चुनाव की उल्टी गिनती शुरू हो गई और सभी राजनीतिक दल जोर-शोर से प्रचार में जुटे हुए हैं टु

चुनाव प्रचार में जुटे वडगाम विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार दलित नेता जिग्नेश मेवाणी पर हमला हुआ है घटना के बाद ट्वीट कर जिग्नेश ने कहा कि भाजपा भयभीत हो गई है, इसलिए ऐसी हरकत कर रही है पर मैं तो एक आंदोलनकारी हूं, न डरूंगा, न झुकूंगा पर बीजेपी को तो हराऊंगा ही जिग्नेश मेवाणी को कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने समर्थन की घोषणा की है और उनके खिलाफ कोई उम्मीदवार नहीं उतारा है दलित समुदाय पर हो रहे अत्याचार को लेकर आंदोलन के बाद जिग्नेश मेवाणी चर्चा में आए थे

हिट एन्ड रन की घटना में पदयात्री की मौत

अहमदाबाद (ईएमएस) बावला-बगोदरा हाईवे पर केराला के निकट हिन्ट एन्ड रन की घटना में एक पदयात्री की मौत हो गई स्थानीय पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की है

जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद जिले की बावला तहसील के केराला गांव निवासी अनोप केहूभाई बगोदरिया रझोडा गांव के निकट एलजी कंपनी के गौदाम में बतौर सिक्युरिटी गार्ड सेवारत थे अनोप बगोदरिया प्रति दिन भायला के निकट स्थित मोगल माताजी के मंदिर में दर्शन करने पैदल जाते थे रोज की भांति अनोप बगोदरिया सुबह 6 बजे मोगलधाम की ओर जा रहे थे अनोप बगोदरिया बावला से छह किलोमीटर दूर केराला क्षेत्र से गुजर रहे थ, उस वक्त पीछे से आए तेज रफ्तार वाहन ने

उन्हें चपेट में लिया इस हादसे में अनोप की सिर और मुंह में गंभीर चोट लगने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, एवं 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास, सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com